● वर्ष-2
● अंक-206
रायपुर, गुरुवार
20 अप्रैल 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmailÐcom

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

आबादी में भारत बना नंबर वन

संयुक्त राष्ट्र का दावा- इस साल ही चीन से 30 लाख ज्यादा हो जाएगी जनसंख्या

नई दिल्ली। भारत चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे आबादी वाला देश बन गया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार भारत की आबादी 142.86 करोड़ हो गई है। जबकि चीन की आबादी 142.57 करोड़ है। गौरतलब है, संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार सुबह एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें कहा गया था कि भारत इस साल के मध्य तक दुनिया का सबसे आबादी वाला देश बन जाएगा। साथ ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला कि भारत 30 लाख से अधिक लोगों के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा।

अमेरिका तीसरे नंबर पर

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट, 2023 के जनसांख्यिकीय आंकड़ों का अनुमान है कि चीन की 142.57 करोड़ की तुलना में भारत की जनसंख्या 142.86 करोड़ है। अगर आंकड़ों पर गौर करें तो अमेरिका 34 करोड़ की आबादी के साथ तीसरे नंबर पर है।

165 करोड़ जा सकती है आबादी

यूएनएफपीए की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 वर्ष के आयु वर्ग की है। वहीं 18 प्रतिशत 10 से 19 आयु वर्ग, 26 प्रतिशत 10 से 24 आयु वर्ग, 68 प्रतिशत 15 से 64 वर्ष आयु वर्ग में और 65 वर्ष से ऊपर 7 प्रतिशत है। वहीं, विभिन्न एजेंसियों के अनुमानों ने सुझाव

दिया है कि भारत की जनसंख्या लगभग तीन दशकों तक बढ़ती रहने की उम्मीद है। इससे आबादी 165 करोड़ हो सकती है।

पहली बार चीन की आबादी में कमी

गौरतलब है, पिछले साल छह दशकों में पहली बार चीन की आबादी में गिरावट आई थी। इसके बाद चीन की आबादी में कमी ही देखी जा रही है। कहा जा रहा है कि इसका असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि 2011 के बाद से औसतन 1.2 फीसदी रही है, जबकि पिछले 10 वर्षों में यह 1.7 फीसदी थी। यूएनएफपीए इंडिया के प्रतिनिधि एंड्रिया वोजनार ने कहा कि भारतीय सर्वेक्षण के निष्कर्ष बताते हैं कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या का असर आम लोगों पर पड़ रहा है।

2050 तक हर पांचवां भारतीय होगा बुजुर्ग

भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के मुताबिक देश की आबादी अगले तीन दशकों तक बढ़ने की उम्मीद है, जिसके बाद इसमें गिरावट शुरू हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र के ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत 142.86 करोड़ लोगों के साथ दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है। संयुक्त राष्ट्र के वर्ल्ड पॉपुलेशन डैशबोर्ड से पता चला है कि चीन की आबादी अब 142.57 करोड़ है, इस प्रकार अब यह दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत ने प्रजनन क्षमता के प्रतिस्थापन स्तर को हासिल कर लिया है। हालांकि, गति पकड़ने के कारण जनसंख्या बढ़ेगी। प्रतिस्थापन स्तर प्रजनन क्षमता, प्रजनन का स्तर है जिस पर एक आबादी वास्तव में एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक खुद को बदल देती है।

संयुक्त राष्ट्र के विश्लेषण में कहा गया है कि अगले तीन दशकों तक भारत की आबादी बढ़ने की उम्मीद है जिसके बाद इसमें गिरावट शुरू हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र के %वर्ल्ड पॉपुलेशन प्रोस्पेक्ट्स-2022 के अनुसार, 2050 तक भारत की जनसंख्या बढ़कर 166.8 करोड़ होने की उम्मीद है, जबकि चीन की आबादी घटकर 131.7 करोड़ हो जाएगी।

देश की अर्थव्यवस्था के लिए मायने

लगातार बढ़ती आबादी भारत के लिए संभावनाओं के साथ-साथ चुनौतियों भी बढ़ा रही है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने जनवरी महीने में कहा था कि भारत 6.5-7 प्रतिशत की दर से वृद्धि करने की क्षमता रखता है। देश की अर्थव्यवस्था 2025-26 तक 5 ट्रिलियन डॉलर और 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की हो सकती है। हालांकि बढ़ती आबादी सरकार के इस लक्ष्य को हासिल करने की राह का रोड़ा भी बन सकता है। देश की आबादी के बढ़ने से अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। पहले ही भारत में गरीबी, भूख और कुपोषण जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए गंभीर प्रयास किए जाने की जरूरत है। बढ़ती आबादी के साथ लोगों को बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था, बेहतर शिक्षा, बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर और शहरों व गांवों को अधिक सुविधाजनक बनाना सरकार के लिए और भी बड़ी चुनौती होगी। रोज बढ़ती आबादी के साथ देश के सामने कई समस्याएं मुंह बाए खड़ीं हैं।

जलवायु परिवर्तन-देश में हर व्यक्ति को भोजन उपलब्ध करने और निर्बाध बिजली आपूर्ति करने की राह में चुनोती बनता जा रहा है। येल विश्वविद्यालय की ओर से जारी इनवायरमेंटल परफॉर्मेंस रिपोर्ट 2022 के अनुसार भारत पर्यावरण के मामले में 180 देशों की सूची में आखिरी पायदान पर है। भविष्य में आबादी यूं ही बढ़ती रही तो हालात और भी बुरे हो सकते हैं।

जल संकट-देश में जल संकट भी गंभीर स्तर पर पहुंच गया है। प्रदूषण के कारण पेयजल की स्थिति रोज खराब हो रही है।

स्वास्थ्य सुविधाओं की बुरी स्थिति- पांच से कम उम्र के एक तिहाई से अधिक बच्चे कुपोषित हैं जबकि 15-49 वर्ष की आयु की लभगभग आधी महिलाएं अनीमिया की शिकार हैं।

बेरोजगारी- भारत में बेरोजगारी आजादी के बाद से हर दौर में बड़ी समस्या रही है। बीते वर्षों में देश में रोजगार जरूर बढ़ा है पर आबादी उस अनुपात में कहीं ज्यादा बढ़ी है। नतीजा यह है कि भारत में लगभग एक तिहाई युवा बेरोजगार हैं।

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

जनजातिय अधिकार के प्रश्न

देश में वन और पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले 8 प्रतिशत से अधिक जनजाति समुदाय अपनी संस्कृति की विशेषता के लिए जाने जाते है। प्रकृति प्रेमी यह समाज आधुनिक विकास की परिभाषा से अभी भी अछुता है, हालाकि शिक्षा प्राप्त कर नौकरी करने समाज के युवा जब शहरों और महानगरों में बस जाते है तो उनकी संस्कृति में बदलाव आने लगता है। दूसरी ओर अंग्रेज हुकुमत के समय से इसाई मिश्नरियों ने सबसे ज्यादा जनजातिय क्षेत्रों में अपने धर्म का प्रचार किया और धर्मांतरण करने में सफल रहे। संविधान में भी अनुसुचित जनजातिय की विशिष्ट संस्कृति को अनुच्छेद 342 में परिभाषित किया। इन व्यवस्थाओं के अनुसार अगर कोई अनुसुचित जाति वर्ग का व्यक्ति या पिछड़ा वर्ग का व्यक्ति अपना धर्म परिवर्तित कर अन्य धर्म को अपना लेता है तो उसे अनुसुचित जाति वर्ग के अंतर्गत आरक्षण सहित अन्य लाभ से वंचित कर दिया जाता है किन्तु यह व्यवस्था अनुसुचित जनजातिय वर्ग के व्यक्ति के लागू नहीं की गई। कोई अनुसुचित जनजातिय वर्ग का व्यक्ति अगर अपना धर्म परिवर्तित कर ले तो भी उसे आरक्षण का लाभ मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में जनजाति समाज के भीतर मतांत्रित जनजातियों से मतभेद बढ़ा है। छत्तीसगढ़ में पिछले दो-ढाई वर्षों से इसाई धर्म अपनाने वाले जनजाति परिवारों के विरूद्ध परंपरा को मानने वाल जनजाति समाज ने मोर्चा खोल रखा है। अपनी परंपरा को मानने वाले आदिवासी समाज का आरोप है कि जो परिवार अपना धर्म परिवर्तन कर लेते है वो धीरे-धीरे अपनी मूल परंपरा, संस्कृति और धर्म को छोड़ देते है। ऐसी स्थिति में वे जनजातिय वर्ग का हिस्सा नहीं रह जाते। यह मामला पिछले दिनों सवोच्च न्यायालय भी गया। झारखंड में ऐसे आदिवासियों को जनजाति प्रमाण-पत्र नहीं देने का निर्णय लिय गया जिन्होंने धर्म परिवर्तन कर इसाई या अन्य धर्म को अपना लिया है। इस संबंध में 2006 में सवोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश को आधार बनाया गया था। अंजन कुमार बनाम भारत सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि सांस्कृतिक और धार्मिक संस्कृति आदिवासियों की पहचान है जिनका पालन नहीं करने वालों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इस निर्णय के बाद यह मामला फिर से सवोच्च न्यायालय गया जहां सर्वोच्च न्यायालय ने जाति प्रमाण-पत्र देने के लिए कुछ परीक्षण बनाए जाने के सवाल पर विचार किया हालाकि सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे परीक्षण को अंतिम सत्य नहीं माना। इन मामलों के बीच जनजातिय समाज ने भी धर्मांतरित आदिवासियों को आरक्षण का लाभ नहीं देने की मांग शुरू कर दी है। इसे डिलिस्टिग कहा जा रहा है। प्रदेश की राजधानी रायपुर में बीते रविवार एक महारैली का आयोजन किया गया था जिसमें हजारों की संख्या में जनजातिय हिस्सा लेने पहुंचे। इसमें केन्द्र सरकार से धर्मांतरित हुए आदिवासियों को आरक्षण नहीं देने संविधान के अनुच्छेद 342 में संशोधन की मांग कर रहे है। ऐसा लगता है कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव के पहले डिलिस्टिग का मुद्दा और गरमाएगा। प्रदेश में पहले से ही धर्मांतरण को लेकर बवाल मचा हुआ है। पेसा कानून, वनाधिकार पट्टा के साथ ये प्रश्न भी विधानसभा चुनाव के दौरान पूछे जाएंगे।

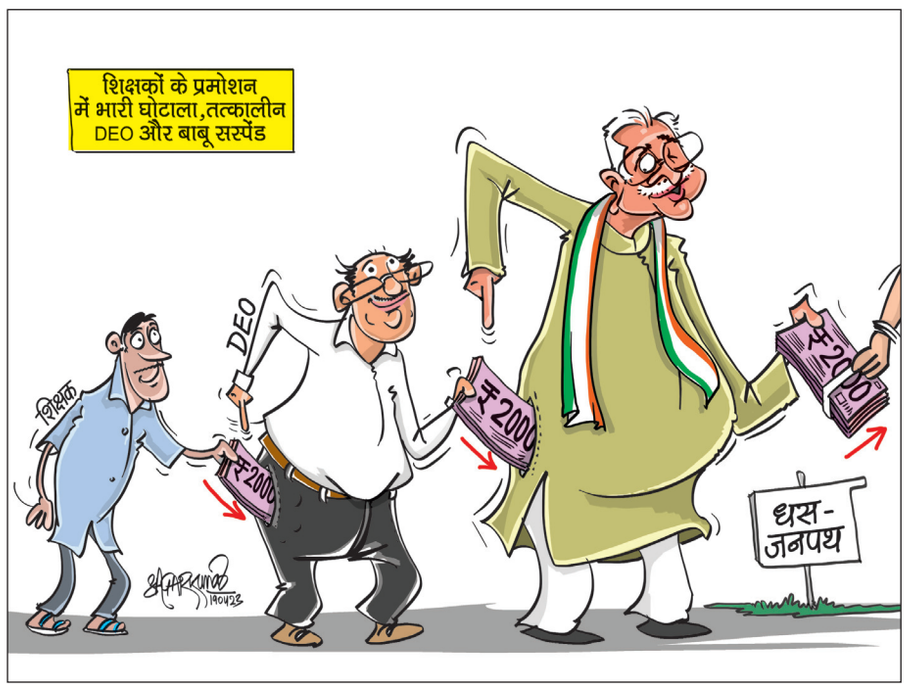

कर्नाटक चुनाव में राहुल-प्रियंका होंगे स्टार प्रचारक

■ सूची में भूपेश बघेल , पायलट शामिल नहीं

बेंग्लुरू। कर्नाटक चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भाजपा की ओर से आज स्टार प्रचारकों की सूची जारी की गई थी। अब कांग्रेस ने भी अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। कर्नाटक में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही माना जा रहा है। एक ओर जहां कांग्रेस सरकार बनाने की कवायद में जुटी हुई है तो वहीं भाजपा सरकार बचाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची में सबसे ऊपर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम है। दूसरे नंबर पर सोनिया गांधी, तीसरे पर राहुल गांधी और चौथे पर

प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम है। इससे साफ जाहिर होता है कि कहीं ना कहीं कर्नाटक में चुनाव प्रचार की कमान राहुल और प्रियंका के हाथों में ही रहने वाला है। पांचवें नंबर पर कर्नाटक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार क नाम है। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पार्टी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, बीके हरिप्रसाद, जयराम रमेश, वीरप्पा मोइली भी कांग्रेस के लिए कर्नाटक में प्रचार करेंगे। इसके साथ ही भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल होने वाले पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार को भी पार्टी ने स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल हैं। शशि थरूर, राज बब्बर, मोहम्मद अजहरुद्दीन, इमरान प्रतापगढ़ी, कन्हैया कुमार, पी चिदंबरम, पृथ्वीराज चव्हाण, अशोक चव्हाण को भी स्टार प्रचारकों की सूची में रखा गया है।

अब तक चुनावी राज्यों में स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल रहने वाले सचिन पायलट का नाम इस सूची से बाहर है। इसको लेकर भी तरह-तरह की अटकलें चल रही हैं। दावा किया जा रहा है कि सचिन पायलट के अनशन की वजह से आलाकमान नाराज है। वहीं, भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम सबसे ऊपर है। इसके अलावा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा दूसरे नंबर पर मौजूद है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी भी स्टार प्रचारकों की सूची में मौजूद हैं। इसके अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, राज्य के भाजपा प्रमुख नलिन कुमार कटील, मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई भी 40 स्टार प्रचारकों की सूची में मौजूद है।

प्रमुख समाचार

मानहानि मामले में दोषी ठहराये जाने के फैसले पर रोक की राहुल की अर्जी पर फैसला आज संभव

अहमदाबाद। गुजरात में सूरत की एक सत्र अदालत 'मोदी उपनाम' वाले बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी ठहराये जाने के फैसले पर रोक लगाने की उनकी याचिका पर अपना आदेश बृहस्पतिवार को सुना सकती है।

दोषी ठहराये जाने और सजा सुनाये जाने के फैसले पर रोक लगती है तो राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता बहाल हो सकती है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आर पी मोगेरा की अदालत ने गत बृहस्पतिवार को राहुल गांधी के आवेदन पर फैसला 20 अप्रैल तक सुरक्षित रख लिया था। राहुल को आपराधिक मानहानि के इस मामले में दो साल के कारावास की सजा सुनाये जाने के एक निचली अदालत के आदेश के खिलाफ राहुल की अपील लंबित रहने के बीच फैसला सुरक्षित रखा गया।

नेशनल क्वांटम मिशन को मंजूरी, संसद में लाया जाएगा सिनेमेटोग्राफ एक्ट 2023

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कई अहम निर्णय लिए गए। इस दौरान नेशनल क्वांटम मिशन को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि नेशनल क्वांटम मिशन के लिए मंजूरी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने दी है। इसके लिए 6,003 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। 2023-24 से 2030-31 तक का इसकी समयसीमा है। इस दौरान सिनेमेटोग्राफ एक्ट 2023 पर भी बड़ा फैसला लिया गया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि फिल्म जगत, कलाकारों और प्रशंसकों से जुड़ा हुआ निर्णय लिया गया है। बहुत समय से मांग थी कि पायरेसी पर कुछ किया जाए। आज कैबिनेट ने अनुमति दी है कि संसद के आने वाले सेशन में सिनेमेटोग्राफ एक्ट 2023 लाया जाएगा।

सुशील मोदी बोले- बिहार में लालू और बालू का रिश्ता अटूट

पटना। हाल में ही बिहार की राजधानी पटना के बिहटा प्रखंड में बालू खनन माफिया के गुर्गों द्वारा महिला खनन निरीक्षक सहित खनन विभाग के तीन अधिकारियों पर हमले का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस दौरान हमलावर गालियां भी दे रहे थे। इसी को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। भाजपा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमलावर है। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहार में लालू और बालू का रिश्ता अटूट है, इसलिए राजद के सत्ता में आते ही बालू माफिया का दुस्साहस बढ़ जाता है और इसी का परिणाम है कि महिला अधिकारी पर जानलेवा हमला हुआ। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने खनन विभाग लालू प्रसाद की पार्टी को सौंप कर बिल्ली को दूध की रखवाली देने-जैसा फैसला किया है।

समलैंगिक विवाह को एलीट कहना गलतः सुप्रीप कोर्ट

नई दिल्ली। समलैंगिक विवाह पर याचिका पर आज सुनवाई करते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि सरकार के पास कोई डेटा नहीं है कि ये समान लिंग विवाह) शहरी है या कुछ और। केंद्र ने पहले अपने आवेदन में कहा था कि याचिकाकर्ताओं द्वारा इस विषय पर अदालत में जो पेश किया गया है वो मात्र शहरी अभिजात्य दृष्टिकोण है और सक्षम विधायिका को विभिन्न वर्गों के व्यापक विचारों को ध्यान में रखना होगा। इससे पहले विशेष विवाह अधिनियम (एसएमए) के प्रावधानों के माध्यम से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह कहना पुराना हो गया है कि तलाक के बाद केवल पति को गुजारा भत्ता और रखरखाव का भुगतान करना होगा। रोहतगी ने धारा 36 और 37 का उल्लेख करते हुए कहा कि ये केवल महिलाओं को गुजारा भत्ता और पति द्वारा रखरखाव का अधिकार देता है।

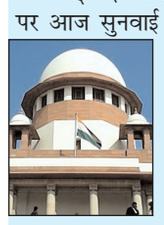

मथुरा शाही ईदगाह-कृष्ण जन्मभूमि मामले में जिरह पूरी

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मथुरा शाही ईदगाह और कृष्ण जन्मभूमि विवाद में फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले में कोर्ट 24 अप्रैल को फैसला सुनाएगा। शाही मस्जिद ईदगाह ट्रस्ट की प्रबंध समिचि और यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड मथुरा मामले को श्रीकृष्ण विराजमान की ओर से बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद नमाजियों के लिए वजू और टॉयलेट की व्यवस्था कराने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जिला प्रशासन ने बैठक की। ज्ञानवापी पहुंचे डीएम एस राजलिंगम ने ज्ञानवापी परिसर का निरीक्षण किया और नमाज स्थल और वजू की वर्तमान व्यवस्था को देखा। इलाहाबाद हाई कोर्ट में मथुरा शाही ईदगाह कृष्ण जन्मभूमि विवाद में फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट 24 अप्रैल को फैसला सुनाएगा। शाही मस्जिद ईदगाह ट्रस्ट की प्रबंध कमिटी और उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड, वादी-प्रति की तरफ से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। मथुरा अदालत में चल रहे मुकद्दमे की सुनवाई पर हाई

संतानों की राजनीति और कांग्रेस

प्रभु चावला

पिता की विरासत बेटे के लिए अक्सर वरदान होती है। कभी-कभी यह बोझ भी बन जाती है। यदि हम सचिन पायलट, ज्योतिरादित्य सिंधिया और जितिन प्रसाद के बगावती व्यवहार को देखें, तो लगता है कि डीएनए दिशा तय कर रहा है। उनके पिता राजेश पायलट, माधवराव सिंधिया एवं जितेंद्र प्रसाद भरोसेमंद कांग्रेस नेता और गांधी परिवार के विश्वासपात्र थे। सिंधिया और प्रसाद शाही पृष्ठभूमि से थे। मध्य वर्गीय पायलट राष्ट्रीय नेता बन गये थे। हालांकि पार्टी ने उन्हें उदारता से पुरस्कृत किया था, पर उन्होंने गांधी परिवार को चुनौती दी। अब उनकी संतानें उनके पदचिह्नों पर चल रही हैं। इनमें से दो कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गये हैं और पायलट अभी तक कांग्रेस में हैं।

राजेश पायलट केवल 35 साल की आयु में कांग्रेस से सांसद बन गये थे। छह बार सांसद रहे पायलट एक बड़े गुर्जर नेता और राष्ट्रीय चेहरा बने। वे कांग्रेस कार्यसमिति में भी थे। राव सरकार में आंतरिक सुरक्षा के राज्य मंत्री के रूप में उन्होंने राव के करीबी कुख्यात चंद्रास्वामी को जेल भेज दिया था। जब राव पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे और सोनिया गांधी द्वारा छद्म विद्रोह हुआ, तब पायलट उस समूह में थे, जो विकल्प तलाश रहा था। बाद में कांग्रेस अध्यक्ष के लिए सीताराम केसरी के खिलाफ पायलट ने दावेदारी पेश की, पर जब सोनिया गांधी ने केसरी का समर्थन किया, तो वे अचंभित रह गये। दुर्भाग्य से एक कार दुर्घटना में 11 जून, 2000 को उनकी मृत्यु हो

गयी। दो दशक बाद उनका बेटा अपने वैधानिक अधिकार हासिल करने के लिए गांधी परिवार का समर्थन मांग रहा है।

राजेश पायलट की तरह माधवराव सिंधिया भी राष्ट्रीय नेता थे और उनमें प्रधानमंत्री बनने की क्षमता थी। एक हवाई दुर्घटना में उनकी मृत्यु के कोई दो दशक बाद उनके पुत्र और वर्तमान में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गांधी परिवार से किनारा कर भाजपा का दामन पकड़ लिया। वर्ष 1971 में जनसंघ सांसद के रूप में 26 साल की उम्र में राजनीतिक करियर शुरू करने वाले माधवराव नौ बार लोकसभा सांसद रहे थे। आपातकाल में वे देश छोड़ गये और 1977 में जनता लहर में निर्दलीय सांसद के रूप में निर्वाचित हुए। साल 1980 में वे कांग्रेस में आये और चार साल बाद अटल बिहारी वाजपेयी को परास्त किया। बाद में जैन हवाला कांड में नाम आने पर कैबिनेट से हटाये जाने पर वे नरसिम्हा राव से नाराज रहे। फिर उन्हें वापस लिया लिया गया क्योंकि राव अपने विरोधी अर्जुन सिंह को निकालना चाहते थे।

कांग्रेस का सेकुलर चेहरा बनकर उभरने के बाद भी उन्हें अहम राष्ट्रीय भूमिका नहीं मिली। उन्होंने अपनी पार्टी बनाकर 1996 में कांग्रेस के विरुद्ध चुनाव लड़ा। राव के अध्यक्ष पद से हटने के बाद उनकी घर वापसी हुई। जब 1998 में सोनिया पार्टी अध्यक्ष हुईं, तो उन्होंने सिंधिया को लोकसभा में कांग्रेस का उपनेता बनाया। साल 2002 में ज्योतिरादित्य गुना से भारी मतों से जीते। वे 2004 और 2009 में भी जीते। पिता की तरह वे भी गांधी परिवार के बेहद नजदीक रहे। वे मनमोहन सरकार में मंत्री रहे और चुनाव हारने के बाद भी पार्टी के महासचिव बनाये गये तथा प्रियंका गांधी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के प्रभारी भी रहे। लेकिन वरिष्ठ नेताओं के साथ उनकी नहीं बनी। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने गांधी परिवार को समझा दिया कि सिंधिया वोट नहीं जुटा सकते, तो उन्हें राज्यसभा का टिकट नहीं मिला। पिता की तरह, ज्योतिरादित्य ने बदला लेते हुए कमलनाथ सरकार को गिरा दिया और उसी नागरिक उड्डयन मंत्रालय की कमान संभाली, जिसे नब्बे के दशक के शुरू में उनके पिता संभालते थे।

जितेंद्र प्रसाद महत्वपूर्ण ब्राह्मण नेता थे और राजीव गांधी, नरसिम्हा राव, सीताराम केसरी और सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार रहे थे। फिर भी उन्होंने 2000 में कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में सोनिया गांधी को चुनौती दी क्योंकि वे पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र में भरोसा रखते थे और मानते थे कि कांग्रेस प्रमुख के तौर पर गांधी परिवार का एकाधिकार नहीं होना चाहिए। पर उन्होंने पार्टी नहीं छोड़ी। कांग्रेस में नेहरू-गांधी परिवार तो उत्तराधिकार हासिल करता है, पर यही अधिकार पार्टी के अन्य बड़े नेताओं को नहीं दिया जाता। बाहरी मामलों में राजनीति बच्चों का खेल है। तब विरासत बहुत अहम हो जाती है।

रेक्टर मालिक संघ ने स्वीकार किया अवैध रेत उत्खनन, लेकिन ठीकरा फोड़ा जिला प्रशासन पर

कोरबा। रेत तस्करों की गुंडागर्दी के चलते शहर में पनप रहे असंतोष के कारण कभी भी कानून और व्यवस्था की स्थिति निर्मित हो सकती है। मुख्य रूप से रेत, गिट्टी और ईंट परिवहन करने वाले ट्रेक्टर संचालकों के संघ ने अब जाकर स्वीकार किया है कि शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों से बंद तथा अनाबंटित घाटों के अलावा नदी क्षेत्रों से अवैधानिक तौर पर रेत का खनन तथा परिवहन में लगे ट्रैक्टरों के कुछ कर्मियों द्वारा की गई लापरवाही पूर्वक घटना में मौत तथा रेत के लिए जानलेवा हमला की बात स्वीकार की है और सारा ठीकरा प्रशासन के सिर पर फोड़ा है।

जिला ट्रैक्टर मालिक संघ के अध्यक्ष गुलजार सिंह ने कलेक्टर के नाम सोमवार को ज्ञापन सौंप कर रेत घाट चालू कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि नगरीय निकाय के अंतर्गत संचालित रेत घाट विगत 8 माह से बंद है जिसके कारण ट्रैक्टर संचालन के व्यवसाय से जुड़े मालिक एवं उसमें कार्य करने वाले मजदूर बेरोजगार हो गये हैं। कुछ रेत माफिया शासन.प्रशासन की मिलीभगत से अपने-अपने एरिया में जबरदस्ती रेत का उत्खनन एवं परिवहन कर रहे हैं, जिसके कारण आए दिन वाद-विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है। संघ ने मन है कि इसी वजह से कई लोगों की जान भी गई है। कई लोगों के साथ मारपीट भी हुई है। उसके बाद भी प्रशासन कोई ठोस कदम उठाने के लिए तैयार नहीं है।

ज्ञापन में पूछा गया है कि विगत 8 माह से सभी रेत घाट संचालित नहीं है तो विकास कार्य कैसे गुणवत्तायुक्त चल रहा है? जो विकास कार्यों और उनकी गुणवत्ता पर एक प्रश्न चिन्ह लगा रहा है। जबकि जिले में बहुत सारे ट्रैक्टर मालिक भुखमरी के शिकार हो रहे हैं और गाड़ी फायनेंस में होने के कारण फायनेंस कंपनी से भी वाद- विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ज्ञापन के अनुसार यातायात पुलिस का कहना है कि ट्रैक्टर का परिचालन रात्रिकाल में किया जाए। वाहन मालिक ट्रैक्टर का पूरा टैक्स सही समय पर पटा रहे हैं। इसके बाद भी उन्हें अपने ट्रैक्टर का संचालन करने नहीं दिया जा रहा है। इस कारण परिवार के समक्ष भरण-पोषण की समस्या उत्पन्न हो गई है। संघ ने कलेक्टर सहित पुलिस अधीक्षक, खनिज विभाग, यातायात प्रभारी व नगर निगम आयुक्त से मांग की है कि 7 दिवस के भीतर कोई ठोस निर्णय ट्रैक्टर मालिकों के हित में नहीं लिया गया तो ट्रैक्टर मालिक संघ एक दिवसीय ट्रैक्टर रैली निकालकर धरना-प्रदर्शन करेगा, जिसकी संपूर्ण जवाबदारी जिला प्रशासन की होगी। आपको बता दें कि एक सप्ताह पहले ही सीतामणी में तेज रफ्तार ट्रेक्टर ने तीन वर्षीय मासूम और उसके दादा की जान ले ली थी। दो दिन पहले ही नदी पार दर्री थाना क्षेत्र में एक रेत तस्कर ने किरण महतो नामक युवक पर बेलचा से जानलेवा हमला कर दिया था। दोनों मामलों में सिटी कोतवाली और दर्री पुलिस थाना में अपराध दर्ज किया गया है। खास बात यह है कि प्रतिबन्ध के बाद भी बिना नम्बर लिखे ट्रेक्टर दिन रात शहर के मुख्य मार्ग सहित व्यस्त सड़कों में लोगों को भयाक्रांत करते दौड़ते रहता हैं। इनकी बेलगाम रफ्तार के चलते आये दिन छोटी मोटी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। बिना नम्बर लिखे चलने वाले ट्रेक्टरों पर तो कोई कार्रवाई नहीं होती, लेकिन सीतामणी में दो मौतों के बाद दिन में शहर के भीतर ट्रेक्टर संचालन पर रोक लगा दी गई है, लेकिन पुलिस ने रात में संचालन की अनुमति दे रखी है। वैसे भी शहर में सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक भारी वाहनों के लिए नो एंट्री का आदेश है।

भाजपा रामपुर विस क्षेत्र स्तरीय बैठक कौशिक के मुख्य आतिथ्य में संपन्न

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी की रामपुर विधान सभा स्तरीय बैठक बरपाली मंडल के समरसता भवन में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धरमलाल कौशिक उपस्थित हुए। कौशिक ने मुख्य रूप से बुथ सशक्तिकरण सहित अन्य संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की।

कौशिक ने रामपुर विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि रामपुर क्षेत्र की जनता लोकतंत्र के प्रति सजग है तथा उनका विश्वास सदैव ही भारतीय जनता पार्टी के ऊपर रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में रामपुर क्षेत्र की जनता का स्नेह एवं आशीर्वाद ननकीराम कंवर एवं भारतीय जनता पार्टी को प्राप्त हुआ था और क्षेत्र की जनता इस बार फिर से भारतीय जनता पार्टी पर अपना विश्वास जता रही है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता बूथ सशक्तिकरण के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जी जान से जुटे हुए हैं, और विशेष रूप से रामपुर विधानसभा में यह कार्य अपनी पूर्णता की ओर है । उन्होंने आने वाले समय के लिए कार्यकर्ताओं को कमर कसने के लिए भी प्रेरित किया।

भाजपा के इस महत्त्वपूर्ण विधान सभा स्तरीय बैठक में मुख्य रूप से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा, पूर्व छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक के साथ साथ भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, रामपुर विधायक ननकीराम कंवर,भाजपा जिला महामंत्री टिकेश्वर सिंह राठिया, उपाध्यक्ष आकाश सक्सेना, कोषाध्यक्ष गोपाल मोदी, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक चावलानी, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, रेणुका राठिया, जिला संयोजक आई टी सेल नवदीप नंदा, अजय चंद्रा सोशल मीडिया जिला संयोजक, जिला पंचायत सदस्य संदीप कंवर, मंडल अध्यक्ष प्रदीप पटेल, नटवर शर्मा, कुल सिंह कंवर, लक्ष्मी वास, भाजपा कुदमुरा मंडल महामंत्री हेमलाल झारिया, हरिश साहू, राजू प्रसाद गुप्ता, सहित समस्त शक्ति केंद्रों के प्रभारी, संयोजक, सह संयोजक व रामपुर विधान सभा क्षेत्र के वरिष्ठ कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

बीस हाथियों के दल ने फसलों को पहुंचाया नुकसान, मवेशियों को भी कुचला

बलरामपुर। रामानुजगंज धमनी रेंज में 16 अप्रैल से घुसे 20 हाथियों के दल जिसमें 6 नर 5, मादा एवं 9 सावक के विचरण करने से दर्जनों गांव के लोगों में दहशत बना हुआ है वहीं अभी तक हाथियों के दल के द्वारा गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचाया है वही दो घरों को भी गिराया एवं 2 गाय भी उनके चपेट में आय जिससे उसकी मौत हो गई वन विभाग की टीम रेंजर राम नारायण राम के नेतृत्व में ग्रामीणों को हाथियों के नजदीक व जंगल की ओर जाने से मना किया जा रहा है। वन विभाग के द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि हाथियों का दल रिहायशी क्षेत्रों की ओर न पहुंचे जंगल की ओर रहे। वन विभाग की टीम के साथ गजराज वाहन मौके पर है।

गौरतलब है कि 16 मार्च से 20 हाथियों का दल धमनी रेंज के ग्राम हरिहरपुर,धनवार,भितरचुरा, में विचरण करते देखा गया वही हाथियों का दल 17 अप्रैल को कलिकापुर, हरिहरपुर, भीतरचुरा के जंगलों में विचरण कर रहा था वही बीती रात तिकीढीरी डॉटम,कलिकापुर के जंगलों में था हाथियों का दल विचरण करता रह वही ग्राम नीलकंठपुर के देवरूप यादव के घर को तोड़ा वहीं घर में रखे गेहूं एवं धान की फसल को भी चट कर गय। हाथियों के द्वारा गांव के ही श्रवण यादव के भैंस को घायल कर दिया वहीं हाथियों की चपेट में आने से श्रवण के एक गाय भी मौत हो गई। ग्राम डॉटम बालरूप कोरवा पिता भगतराम की गाय हाथियों के चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। हाथियों के क्षेत्र में विचरण करने से ग्रामीणों में दहशत है ग्रामीण रतजगा कर अपने अपने घरों की पहरेदारी कर रहे हैं वहीं वन विभाग की टीम रेंजर राम नारायण राम के नेतृत्व में लगातार ग्रामीणों को जंगलों की ओर जाने से मना कर रहा है साथ ही हाथियों का दल रिहायशी क्षेत्रों की ओर नहीं आए इसके लिए वन अमला गजराज वाहन के साथ सक्रिय है।

सड़क पार करते हाथियों का वीडियो हुआ था वायरल

धमनी रेंज में पहुंचे 20 हाथियों का दल 2 दिन पूर्व ग्राम कलिकापुर नागेश्वर धाम के समीप मुख्य सड़क से पार करते कई लोगों के द्वारा देखा गया कई लोगों ने वीडियो भी बनाया जो देखते-देखते इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था जिसमें हाथियों का दल शावको के साथ देखा गया।

धमनी रेंजर राम नारायण राम ने बताया कि 16 मार्च से धमनी रेंज में 20 हाथियों का दल आया है जिसके द्वारा 2 घरों को तोड़ा गया वही एक गाय भी उनके चपेट में आने से मौत हो गई हाथियों के दल ने थोड़ा बहुत गेहूं की फसल को भी नुकसान किया है हम लोग नुकसान का आकलन कर जल्द ग्रामीणों को मुआवजा का भुगतान करेंगे।उन्होंने बताया की ग्रामीणों को जंगलों की ओर जाने से मना किया जा रहा है। हाथियों का दल बीती रात धमनी रेंज में रहने के बाद आज रामानुजगंज रेंज के छतवा की ओर प्रवेश किया है।

पानी के संकट को लेकर भाजपा पार्षदों ने मटका फोड़कर किया विरोध प्रदर्शन

दुर्ग। भीषण गर्मी में शहर के विभिन्न वार्डों में व्याप्त पानी की संकट को लेकर आज भाजपा पार्षदों ने जोरदार आवाज बुलंद करते हुए, निगम सामान्य सभा की आयोजित विशेष बैठक के बाहर मटका फोड़कर प्रदर्शन किया खालसा पब्लिक स्कूल में उद्योगपतियों के संपत्ति कर माफ करने की एक सूत्रीय एजेंडे को लेकर निगम द्वारा आहूत किए गए विशेष बैठक में शामिल होने के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा के नेतृत्व में भाजपा की महिला पार्षदों के साथ पुरुष पार्षदों ने भी सिर पर मटका लेकर बैठक स्थल तक पहुंचे जहां सदन के बाहर महापौर व विधायक के खिलाफ जमकर नारे बाजी करते हुए प्रदर्शन कर मटका फोड़ कर विरोध दर्ज कराया तत्पश्चात बैठक में शामिल हुए इस अवसर भाजपा पार्षद गायत्री साहू चंद्रशेखर चंद्राकर, देवनारायण चंद्राकर, काशीराम कोसरे, नरेंद्र बंजारे, नरेश तेजवानी, ओम प्रकाश सेन, मनीष साहू, अजीत वैद्य चमेली साहू लीना दिनेश देवांगन शशि द्वारका साहू पुष्पा गुलाब वर्मा हेमा शर्मा कुमारी बाई साहू आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर नेताप्रतिपक्ष अजय वर्मा सहित भाजपा पार्षदों ने संयुक्त रूप से कहा कि एक तरफ प्रदेश से लेकर शहर तक की कांग्रेस सरकार

पूंजीपतियों को लाभ देने संपत्ति कर माफकर रही है तो दूसरी तरफशहर के विभिन्न वार्ड के नागरिक पानी की समस्या से जूझ रहा है केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा दुर्ग की जनता की प्यास बुझाने 152 करोड़ से अधिक की राशि देने के बाद भी जलसंकट दूर नही हुआ है आज भी निगम क्षेत्र के नया पारा राजीव नगर, मठपारा, गया नगर, शक्ति नगर, तितुरडीह, सिंधी कालोनी, पचरी पारा मिलपारा कचहरी वार्ड, पद्मनाभपुर, राम नगर उरला, बघेरा सहित विभिन्न वार्डों में भीषण गर्मी में नलों की धार पतली होने के कारण कई घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है किंतु निगम के महापौर धीरज बाकलीवाल की कांग्रेसी परिषद केवल विधायक अरुण वोरा के परिक्रमा में व्यस्त है जिसके चलते पेयजल व्यवस्था सप्लाई चरमरा गई है आए दिन किसी न किसी वार्ड में पानी सप्लाई बंद हो जाता है जबकि गया नगर राम नगर जैसे कई क्षेत्रों में बारह महीने लो प्रेशर की समस्या बनी रहती है।

भटकते रहे लोग, चांपा तहसील खाद्य शाखा विभाग में लटक रहे ताले

चांपा। तहसील के खाद्य शाखा विभाग में अपने कार्यालय से दोपहर 12 बजे के बाद खाद्य शाखा तहसील विभाग में दरवाजे पर का ताला लटका हुआ मिलेगा। लेकिन तहसील खाद्य शाखा विभाग में रोजाना दो दर्जनों से अधिक लोग अपने कार्य के लिए आते जाते रहते हैं लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद अपने ऑफिस से अधिकारी वा स्टॉफ कर्मी गायब हो जाते हैं इधर दूरदराज से आए हुए ग्रामीण अंचल के लोग व शहर से आए हुए लोग हर कोई खाद्य शाखा अधिकारी को तलाश करते इधर उधर फिरते रहते किसी को नहीं पता होता हैं कि जवाबदेही अधिकारी कहां गायब रहते हैं। शहर व ग्रामीण अंचल से चांपा आए हुए लोगों में से किसी को नया राशन कार्ड बनवाना हो या राशन कार्ड में नाम सुधारवना है या खाद्य कार्ड में नाम सुधारना है या खाद्य संबंधित जानकारी लेनी हो तो खाद्य शाखा विभाग में ताला लगा हुआ मिलता हैं चांपा तहसील कार्यालय में खाद्य शाखा के मनमानी की वजह से शहर व ग्रामीण अंचल के लोगों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा हैं

चांपा खाद्य शाखा विभाग अधिकांश समय यह कक्ष बंद रहता है, न तो अधिकारी मिलते हैं और न ही अन्य कर्मी । खाद्य शाखा तहसील चांपा केअधिकारी के द्वारा मनमानी चरम पर है आम लोग त्रस्त हैं जिससे खाद्य संबंधित शासकीय जानकारी शहर व ग्रामीण अंचल लोगों को नहीं मिल रहा हैं। जिससे लोगों को काफी सारी समस्याएं दैनिक जीवन में उत्पन्न हो रही हैं इस खाद्य शाखा चांपा कार्यालय के बाहर दीवार पर अधिकारी की जानकारी नही चस्पा जिससे ग्रामीण व शहर के लोगों को अधिकारी से संपर्क करना हो जबकि हर शासकीय विभाग में अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक का नाम व मोबाइल नंबर लिस्ट बनाकर चिपका दिया जाता है ताकि आम जनता को कोई भी जानकारी लेनी हो तो किसी प्रकार का जनता को कोई परेशानी नहीं हो इस पर शहर के लोगों व ग्रामीण अंचल के लोगों के द्वारा नाराजगी व्यक्त की हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

डीलिस्टिंग की रैली में शामिल हुए नगरी के आदिवासी नेता

नगरी। राजधानी रायपुर में धर्मांतरित हुए आदिवासीयों की डी लिस्टिंग को लेकर महारैली में सिहावा नगरी क्षेत्र के आदिवासी नेता शामिल हुए। समाज में हो रहे धर्मांतरण को लेकर महारैली का आयोजन राजधानी में किया गया था जिसमें हजारों की संख्या में जनजाति समाज ने हिस्सा लिया। नगरी से शामिल हुई भाजपा जिला मंत्री प्रेमलता नागवंशी ने कहा की ईसाई धर्म में अगर कोई भी जनजातीय समाज का व्यक्ति जाता है उसे शासन द्वारा आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए ऐसे लोग शासन के किसी भी लाभ का हकदार नहीं है इसके लिए संविधान में कानून बनाने कि जरुरत है क्योंकि वह व्यक्ति अपने समाज को छोड़कर अन्य धर्म में रहते हुए शासन द्वारा मिलने वाले सभी लाभों को ले रहा है। उन्होंने कहा की जनजाति समाज डी लिस्टिंग करके रहेगी और आगे इसके लिए बड़े आंदोलन करेगी। नगरी से पूर्व विधायक सिहावा श्रवण मरकाम, पिंकी शिवराज शाह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेमलता नागवंशी, सत्यवती नेताम, गणेशिया मरकाम, अजय ध्रुव, महेंद्र नेताम आदि उपस्थित थे।

भाजपा नेता हत्याकांड में परिवार ही संदेह के दायरे में

मुंगेली। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में बीजेपी नेता की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में मृतक भाजपा नेता की पत्नी, बेटी, 2 बेटे और बहू समेत 5 लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने हत्या की बात कबूल कर ली है। पारिवारिक विवाद में भाजपा नेता की जान ले ली गई। मामला चिल्फी थाना क्षेत्र का है। बता दें कि, सोमवार की सुबह गोल्हापारा गांव में भाजपा नेता और गोंड़खाम्ही मंडल के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के महामंत्री शत्रुघ्न साहू की खून से लथपथ सड़क किनारे संदिग्ध हालत में लाश मिली थी। मृतक रविवार की शाम को घर से घूमने जाने की बात कहकर निकला था। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। दूसरे दिन भाजपा नेता की लाश मिली है। पुलिस इस मामले में मर्ग कायम कर जांच में जुट गई थी। भाजपा नेता शत्रुघ्न साहू आपराधिक प्रवृत्ति का था। उसके खिलाफ चिल्फी थाने में लगभग आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। जिसके चलते पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही थी। बता दें कि 16 अप्रैल को मृतक की पत्नी और बेटी-बेटों के साथ विवाद हुआ था।

कोरबा में फिर पैर पसार रहा कोरोना, मिले 10 मरीज

कोरबा। लंबे समय तक कोरोना संक्रमण से अछूते रहे कोरबा में एक बार फिर कोरोना का विस्फोट हुआ है। मंगलवार को जिले में 10 कोरोना मरीजों की पुष्टि हुई है। दूसरी ओर छत्तीसगढ़ में एक बार फिर कोरोना के मामले बढ़ने लगे हैं। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में 531 नए संक्रमितों की पुष्टि हुई है। प्रदेश में अब 2484 मामले सक्रिय हैं। प्रदेश में जिलों से कोरोना संक्रमित पाए गए। जानकारी के अनुसार 18 अप्रैल को प्रदेश में रायपुर से 84, दुर्ग से 30, राजनांदगांव से 52, बालोद से 24, बेमेतरा से 19, कबीरधाम से 11, धमतरी से 16, महासमुंद से 20, बलौदाबाजार से 31, गरियाबंद से 4, बिलासपुर से 38, रायगढ़ से 23, कोरबा से 10, जांजगीर.चांपा से 8, गौरेला.पेंड्रा.मरवाही से 2, सरगुजा से 38, सूरजपुर से 30, कोरिया से 14, बलरामपुर से 6, दंतेवाड़ा से 11, कोंडागांव से 2, जशपुर से 4, बस्तर से 3, कांकेर से 32, नारायणपुर से 1, बीजापुर से 17, शेष जिलों में कोरोना का कोई नया मामला नहीं आया है।

गर्मी में लू से बचाने स्वास्थ्य विभाग कर रहा सजग

पाटन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जेपी मेश्राम के आदेशानुसार तथा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ आशीष शर्मा के मार्गदर्शन में उप स्वास्थ्य केंद्र मुड़पार के आश्रित ग्राम चुनकट्टा में गर्मी में लू तथा अन्य मौसमी बीमारियो से बचाव के सम्बन्ध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, मितानिन ,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा ग्रामीण उपस्थित हुए । हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर मुड़पार के सीएचओ भावना ने उपस्थित लोगो को जानकारी दिया की गर्मी के मौसम में तापमान के लगातार बढ़ने से हमारे शरीर को काफी नुकसान पहुँचता है तथा लू ,जलजनित रोग पीलिया, उल्टी - दस्त ,आदि होने की संभावना बढ़ जाती है अत: हमें गर्मी में स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता होती है। उन्होंने लोगो को लू से बचने के उपाय बताते हुए कहा की जब भी घर से बाहर निकले तो कभी खाली पेट बाहर न निकले ,पुरे आस्तीन का सूती वस्त्र पहने तथा चेहरे एवं कान को कपड़े से ढककर जाये।

युवाओं को रोजगार स्थापित करने के लिए दिया जाएगा ऋण

कोरबा। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक युवतियों को स्वयं का उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) अंतर्गत वर्ष 2023-24 के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा 05 मई 2023 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत युवाओं को उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के लिए अधिकतम 50 लाख एवं 20 लाख रुपए तक के ऋण पर शहरी क्षेत्र के लिए परियोजना लागत का 25 प्रतिशत एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए परियोजना लागत का 35 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। उन्होंने बताया कि आवेदक की उम्र 18 वर्ष से अधिक होना चाहिए, आवेदक की योग्यता न्यूनतम 8वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। आवेदक को जिले का स्थायी निवासी होना चाहिए। आवेदक को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान का चूककर्ता नही होना चाहिए। आवेदक तथा परिवार का कोई भी सदस्य भारत शासन या राज्य शासन से पूर्व में अनुदान का लाभ न लिया हो।

एससी आरक्षित सीट पर ओबीसी सरपंच की मांग को लेकर हंगामा

■ **कवर्धा एसडीम को पंचों ने दी गालियां, एफआईआर दर्ज**

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम में दो पंचों ने सोमवार को एसडीएम कार्यालय में जमकर हंगामा किया। दबंगई दिखाते हुए दोनों सरपंचों ने एसडीएम को जातिगत गालियां दीं। इसके बाद एसडीएम की ओर से दोनों पंचों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। दोनों पंच अविश्वास प्रस्ताव के बाद खाली हुई सरंपच की सीट पर ओबीसी की नियुक्ति की मांग कर रहे थे, जबकि वह एससी वर्ग के लिए आरक्षित है। मामला कोतवाली क्षेत्र का है।

कवर्धा एसडीएम प्रकाशचंद्र कोरी ने शिकायत में बताया है कि, ग्राम पंचायत कृतबांधा के पंच बिहारी और पवन सोमवार दोपहर करीब 3.50 बजे उनके कार्यालय में पहुंचे। दोनों ने ग्राम पंचायत कृतबांधा के कार्यवाहक सरपंच के संबंध में पूछताछ की।

इस पर उसे बताया गया कि, नियमानुसार अन्य पिछड़ा वर्ग से सरपंच की नियुक्ति नहीं हो सकती है। साथ ही इस पर दो महिला पंचों ने भी आपत्ति की है। इस पर बुधवार को सुनवाई होगी।

आरोप है कि इससे नाराज होकर दोनों पंचों ने ने कार्यालय में धमकी, गाली-गलौच और अपशब्द का प्रयोग किया। उस समय एसडीएम के कक्ष में कानूनगो भवेन्द्र शर्मा, रीडर सतीष जायसवाल, सैनिक जीवन साहू, सहायक ग्रेड-03 शुभम देवांगन, आनंद मिश्रा समेत अन्य लोग थे। कोतवाली पुलिस ने कवर्धा एसडीएम प्रकाशचन्द्र कोरी के आवेदन पर आरोपी बिहारी, पवन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

ग्राम पंचायत कृतबाधा में हाल में ही सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। यहां पूर्व में महिला एससी वर्ग की सरपंच थी। अविश्वास प्रस्ताव में कुर्सी गिर गई है। नियम अनुसार अब यहां छह माह के लिए कार्यवाहक एससी वर्ग के सरपंच की नियुक्ति की जानी है। दोनों पंच ओबीसी सरपंच की डिमांड कर रहे है, जबकि ग्राम पंचायत में पूर्व में ही सरपंच पद एससी के आरक्षित है। इसी मामले के लेकर दोनों लोग एसडीएम कार्यालय पहुंचे थे।

तेंदूपत्ता फड़ मुंशी संघ अपनी मांगों को लेकर तीन दिवसीय हड़ताल पर बैठे

कोरबा। तेंदूपत्ता खरीदी बिक्री में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले फड़ मुंशी काफी लम्बे समय से अपनी मांगों को लेकर सरकार निवेदन करते आ रहे है एक बार फिर कटघोरा वन मण्डल के तेंदूपत्ता फड़ मुंशी संघ ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव के समय किये गए वादे को याद दिलाने व अपनी मांगों को लेकर 17 अप्रैल से तीन दिवसीय हड़ताल पर बैठ गए है। वही मांग पूरी न होने पर प्रदेशव्यापी जन आंदोलन के रूप में अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन की चेतावनी भी दी।

छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने 2018 की चुनावी घोषणा पत्र में फड़ मुंशी को प्रति माह 1000 हजार रुपए कमिशन को छोड़कर अपनी सरकार आने पर देने का वादा किया था लेकिन आज कांग्रेस सरकार को लगभग साढ़े

चार साल पूरे होने को है लेकिन आज तक किये गए वादे को अमल में नही लाया गया है। जबकि फड़ मुंशी सन 1988-1989 से कार्य करते आ रहे है और सरकार की योजनाओं को संग्राहक तक पहुंचाने का काम करते है। तथा फड़ मुंशी संघ ने मांग की है कि फड़ मुंशियों की प्रति वर्ष नियुक्ति व 10, 12 वीं की अनिवार्यता को समाप्त कर अनुभवी को प्राथमिकता दिया जाए। यदि उनकी मांगों पर सरकार ने ध्यान नहीं दिया तो तीन दिवस के बाद प्रदेशव्यापी जनआंदोलन के रूप में सामने आएंगे और फड़ मुंशी संघ अपनी मांगों पर सड़क पर डटा रहेगा। जिला उपाध्यक्ष, फड़मुंशी संघ कोरबा कन्हैया लाल चौहान ने बताया कि फड़ मुंशी शासन की योजनाओं को लेकर काम करते आ रहे है । कांग्रेस सरकार ने वादा किया था कि वो उनकी मांगों के तरफ ध्यान देगी लेकिन वो अपना वादा भूल गई है। जब तक उनकी मांगे पूरी नही होती उनका आंदोलन जारी रहेगा।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

पीएम मोदी 24 को दिखाएंगे मेडिकल एक्सप्रेस को हरी झंडी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे बीमार लोगों के लिए नई ट्रेन शुरू करने जा रहा है। ये विशेष ट्रेन मध्यप्रदेश के रीवा से होकर महाराष्ट्र के नागपुर के बीच चलाई जाएगी। रीवा इतवारी नाम से शुरू होने वाली इस ट्रेन को 24 अप्रैल को पीएम मोदी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस ट्रेन को सप्ताह में चार दिन चलाया जाएगा। क्योंकि इससे पूर्व एक ट्रेन सप्ताह में तीन दिन ही चल रही थी। ऐसे में रीवा से नागपुर के लिए ट्रेने सातों दिन उपलब्ध होगी। इससे बीमार लोगों को इलाज के लिए नागपुर जाने में दिक्कत नहीं होगी। इस ट्रेन का मुख्य उद्देश्य बीमार लोगों को सुविधाजनक यात्रा कराना है। ट्रेन में सामान्य यात्री भी सफर कर सकेंगे। रेलवे मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, रीवा और इसके आसपास के कुछ जिले और गांवों के लोगों को इलाज के लिए महाराष्ट्र के नागपुर जाना पड़ता है। सीमित ट्रेन होने की वजह से कई बार बीमार लोगों को ट्रेन में टिकट नहीं मिल पाता है।

भाजपा 2024 के चुनाव में 100 सीटों पर सिमट जाएगी : राउत

मुंबई। महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना शिंदे गुट के खिलाफ लामबंद महाविकास अघाड़ी के प्रमुख घटक एनसीपी में मचे अंदरूनी तुफान के बीच शिवसेना (उद्धव बाल ठाकरे) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने अगले साल होने वाले देश के आम चुनाव को लेकर बेहद गंभीर बयान दिया है, जिसको जद में सीधे केंद्र सरकार पर काबिज भारतीय जनता पार्टी है। संजय राउत ने 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर दावा किया कि केंद्र सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई कर रहे हैं, वो आगामी आम चुनाव में 100 सीटों तक सिमट सकती है। पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा, आज की तारीख में पूरे देश में भाजपा को लेकर बेहद आक्रोश है। जनता भाजपा के खिलाफ हो चुकी है और इसमें कोई शक नहीं की लोकसभा चुनाव में वो 100-110 सीटों के बीच सिमट कर रह जाए। यह बात पूरी तरह से तय है कि 2024 में 100 फीसदी सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है।

अजित पवार को लेकर भाजपा-एनसीपी में ठनी

मुंबई। एनसीपी नेता अजित पवार द्वारा भाजपा में शामिल होने की अटकलों को खारिज किए जाने के बाद राकांपा ने बुधवार को भगवा पार्टी पर हमला बोला है। पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके नेता ने अपनी स्थिति साफ कर दी है, बावजूद इसके भारतीय जनता पार्टी राकांपा में फूट की अफवाह फैला रही है। राकांपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पूछना चाहिए कि वह उन पर और उनकी शिवसेना पर इतना दबाव डालने की कोशिश क्यों कर रही है। इससे पहले, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता अजित पवार ने मंगलवार को कहा था कि वह अपने जिंदा रहने तक अपनी पार्टी एनसीपी के लिए काम करते रहेंगे। साथ ही उन्होंने और उनके वफादार विधायकों के एक समूह के सत्तारूढ़ भाजपा के साथ गठबंधन करने की अटकलों पर भी विराम लगा दिया था।

निकाय चुनाव में प्रचार से दूर रहेंगी मायावती

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव के प्रचार अभियान से बसपा सुप्रीमो मायावती दूर ही रहेंगी। माना जा रहा है कि वह किसी भी जिले में रैली नहीं करेंगी। इस बार पूरी जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल और कोआर्डिनेटरों की रहेगी। वैसे भी बसपा प्रदेश अध्यक्ष के लिए यह चुनाव अग्नि परीक्षा है, क्योंकि वह पहला चुनाव करा रहे हैं। दूसरा, इसी से लोकसभा चुनाव में बसपा का भविष्य भी तय होगा। पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन हो चुके हैं। वहीं, दूसरे चरण के नामांकन शुरू हो गए हैं। पहले चरण के लिए प्रत्याशियों की तस्वीर साफ हो गई है। बसपा ने महापौर पद पर 60 प्रतिशत मुस्लिम प्रत्याशी उतारकर अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। बसपा मुस्लिम-दलित समीकरण के सहारे ही इस मैदान में है। अब चुनाव के लिए प्रचारक भी तय होने शुरू हो गए हैं। बताया जा रहा है कि बसपा सुप्रीमो मायावती चुनाव में केवल मार्गदर्शन करेंगी और अपने यहां वार रूम बनाकर मॉनिटरिंग करेंगी।

आरएलपी में पायलट आना चाहें तो स्वागत है : बेनीवाल

उदयपुर। राजस्थान में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक हनुमान बेनीवाल मंगलवार को अपने एक दिवसीय प्रवास पर उदयपुर आए थे। इस दौरान मीडिया से मुखातिब होते हुए बेनीवाल आरपीएससी पेपर लीक प्रकरण के साथ प्रदेश की सियासत पर खुलकर अपनी बात को रखा। साथ ही सचिन पायलट को लेकर भी बड़ा बयान दे डाला। बेनीवाल ने कहा कि सचिन पायलट को अब कांग्रेस छोड़कर अपनी अलग पार्टी बना लेनी चाहिए, जिससे राजस्थान में तीसरे मोर्चे को मजबूती मिलेगी और आने वाले चुनाव में तीसरा मोर्चा ही अपनी सरकार बनाएगा। इस संदर्भ में सचिन पायलट से भी उनकी चर्चा हो चुकी है। पायलट अगर उनकी पार्टी में आना चाहें तो स्वागत है, लेकिन उनका कद इतना बड़ा है कि वह आरएलपी में नहीं आएंगे। आरपीएससी पेपर लीक प्रकरण मामले पर बोलते हुए बेनीवाल ने कहा कि जब पेपर लीक हुआ था, उसी दिन से लेकर आरएलपी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे हुए हैं।

कर्नाटक में राम मंदिर निर्माण का किया ऐलान

बेंगलुरु। कर्नाटक में भाजपा सरकार ने चुनाव से पहले बड़ा दांव खेल दिया है। राज्य के सीएम बोम्मई ने विधानसभा में बजट सत्र के दौरान रामनगर में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण कराए जाने की घोषणा की है। सीएम बोम्मई ने कहा कि अगले दो सालों में कर्नाटक सरकार द्वारा 1,000 करोड़ के व्यय के साथ मंदिरों व मठों के व्यापक विकास और नवीनीकरण कार्य किया जाएगा। बता दें कि पिछले साल दिसंबर में रामनगर जिले के प्रभारी मंत्री सी एन अश्वथ नारायण ने सीएम बोम्मई से श्रीराम मंदिर के निर्माण की मांग की थी।

मंत्री का कहना था कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम मंदिर की तर्ज पर रामदेवरा बेट्टा में एक मंदिर और विकास समिति का गठन किया जाए। इस मामले पर सी एन अश्वथ नारायण ने बोम्मई और मुजराई मंत्री शशिकला जोले को पत्र भी लिखा था। जिसमें मांग की गई थी कि रामदेवरा बेट्टा को दक्षिण भारत के अयोध्या के रूप में विकसित जाए। नारायण ने कहा था कि राम मंदिर का निर्माण रामदेवरा बेट्टा में मुजरई विभाग से संबंधित 19 एकड़ जगह पर कराया जाना चाहिए।

नारायण के अनुसार, क्षेत्र के लोगों का विश्वास है कि सुग्रीव ने रामदेवरा बेट्टा को स्थापित किया था। इसलिए जिले के नागरिकों की धर्मिक भावना का ध्यान रखते हुए रामदेवरा बेट्टा को विरासत और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

प्रभारी मंत्री नारायण ने अपने पत्र में लिखा था कि महाकाव्य रामायण और रामदेवरा बेट्टा के बीच पारंपरिक संबंध त्रेतायुग के युग से हैं। राज्य के पर्यटन विभाग के मुताबिक बेंगलुरु से 50 किलोमीटर की दूरी पर रामदेवरा स्थित है। इसी स्थान की सुरम्य पहाड़ी पर बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर मूवी शोले शूट की गई थी।

पुराने मैसूर क्षेत्र का हिस्सा रामनगर वोक्कालिगा बहुल है। हालांकि इसे भाजपा का गढ़ नहीं माना जाता है। वहीं विधानसभा चुनावों में वोटबैंक को अपनी ओर करने के लिए यह पार्टी का मूव कहा जा रहा है।

राज्य में राम मंदिर के निर्माण का ऐलान होते ही कांग्रेस के कान खड़े हो गए हैं। कांग्रेस को इस बार सत्ता में आने की संभावना दिख रही हैं। ऐसे में बीजेपी के राम मंदिर वाले चुनावी दांव पर कांग्रेस भड़क गई है। बीजेपी के इस फैसले के पीछे भी राजनीतिक दांव देखा जा रहा है। रामनगर कर्नाटक ओल्ड मैसूर संभाग में आता है। यहां पर भाजपा की 61 सीटों पर पकड़ कमजोर है। वहीं इस हिस्से में वोक्कालिका समुदाय का दबदबा है। यह समुदाय पिछले तीन दशकों से जेडीएस के साथ मजबूती से खड़ा है। साल 2018 के चुनावों में बीजेपी को 61 में सिर्फ 15 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। ऐसे में भाजपा को उम्मीद है कि राम मंदिर का मुद्दा न सिर्फ ओल्ड मंसूर संभाब बल्कि अन्य हिस्सों के हिंदुओं को पार्टी के पक्ष में लामबंद करेगा।

नड्डा का रोड शो

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, कन्नड़ अभिनेता किच्चा सुदीप और अन्य भाजपा नेताओं ने शिगगांव में रोड शो किया। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के कोई भी नेता हो...वो नेता नहीं है बल्कि एटीएम को चलाने वाले लोग हैं और यह एटीएम है ऑटोमैटिक ट्रांसफर ऑफ मनी, आप इन्हें बैठाएंगे और वहां से मोदी जी पैसा भेजेंगे और पैसा दिल्ली कांग्रेस को ट्रांसफर होगा।

कांग्रेस के पक्ष में है कर्नाटक चुनाव- केसी वेणुगोपाल

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दावा किया है कि कर्नाटक में पार्टी के पक्ष में माहौल है। दरअसल, कर्नाटक में भाजपा के लिए अभिनेता किच्चा सुदीप प्रचार कर रहे हैं। इसी को लेकर केसी वेणुगोपाल ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि चुनाव कांग्रेस के पक्ष में तय हो चुका है। लोग 40% भ्रष्टाचार सरकार को जान चुकी है और अब वो बदलाव चाहती है यह बदलाव कांग्रेस के समर्थन में आकर होगा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि बीजेपी को चाहे कोई भी (कन्नड़ अभिनेता किच्चा सुदीप) समर्थन कर ले उससे फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि लोग कांग्रेस पार्टी को समर्थन करेगी। इससे पहले कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने साफ तौर पर कहा कि बोम्मई की जनसभा में कोई नहीं आ रहा, इसलिए अब वे फिल्मी सितारों का सहारा ले रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि हम कलाकारों का सम्मान करते हैं लेकिन राजनीति और शासन गंभीर व्यवसाय है। राजनीति कोई 3 घंटे की फिल्म या गाना नहीं है, जहां आप जाकर अपना मनोरंजन कर घर चले जाएं, शासन 6.5 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन से संबंधित है लेकिन भाजपा ने इसका मजाक बनाया है।

मेरा अंतिम चुनाव-सिद्धारमैया

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने घोषणा की कि यह विधानसभा चुनाव एक उम्मीदवार के रूप में उनका अंतिम चुनाव होगा। उन्होंने बुधवार को वरुणा निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और अपने गृह क्षेत्र में एक रैली को भी संबोधित किया। रैली में बोलते हुए, सिद्धारमैया ने कहा, इस विधानसभा चुनाव के बाद, मैं चुनावी राजनीति छोड़ दूंगा। वरुणा के लोग हमेशा मेरे साथ रहे हैं और उनके समर्थन के कारण मैं अपने राजनीतिक करियर में इस मुकाम पर पहुंचा हूं। यह मेरा आखिरी बार वरुण निर्वाचन क्षेत्र से पर्चा भरने वाला होगा।

आपको बता दें कि 75 वर्षीय सिद्धारमैया पहली बार 1983 में चामुंडेश्वरी निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की थी। उन्होंने जनता दल (सेक्युलर) और कांग्रेस पार्टी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 2013 ङ्क 2018 के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में भी कार्य किया। 2018 के विधानसभा चुनावों में, सिद्धारमैया ने बादामी और चामुंडेश्वरी निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ा, जिसमें उन्होंने केवल बादामी जीता। इस विधानसभा चुनाव में, कांग्रेस नेता अपने पारंपरिक वरुणा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, सिद्धारमैया कोलार से टिकट चाहते थे लेकिन उन्हें नहीं दिया गया।

पायरेसी को लेकर मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

नेशनल क्वांटम मिशन को मिली मंजूरी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में कई बड़े निर्णय भी लिए गए हैं। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और जितेंद्र सिंह ने सरकार के फैसले की जानकारी भी दी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि फ़िल्म जगत, कलाकारों और प्रशंसकों से जुड़ा हुआ निर्णय लिया गया है। बहुत समय से मांग थी कि पायरेसी पर कुछ किया जाए। उन्होंने कहा कि आज कैबिनेट ने अनुमति दी है कि संसद के आने वाले सेशन में सिनेमेटोग्राफ एक्ट 2023 लाया जाएगा।

इसके साथ ही ठाकुर ने यह भी बताया कि नेशनल क्वांटम मिशन के लिए मंजूरी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने दी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए 6,003 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। 2023-24 से 2030-31 तक का इसकी समयसीमा है। सिनेमेटोग्राफ एक्ट 2023 को लेकर भाजपा नेता ने कहा कि वर्ष 2019 में इस संबंध में एक विधेयक पेश किया गया था और उसे संसद की स्थायी समिति को भेजा गया था। स्थायी समिति ने इस पर सुझाव दिये थे।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस बारे में सभी पक्षकारों के साथ चर्चा की गई और दुनिया में अच्छे चलन को शामिल किया गया। मंत्री ने कहा कि फिल्मों में साहित्यिक/सामग्री की चोरी या पायरेसी से नुकसान नहीं हो, इसलिये यह विधेयक तैयार किया गया है। इससे पूरे फिल्म जगत को लाभ होगा।

नशे के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है मोदी सरकार

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रमुखों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार नशे के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम 2047 तक एक नशा मुक्त भारत की स्थापना करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं आज आपको बताना चाहता हूं कि हम एक ऐसे मोड़ पर हैं कि हम नशे के खिलाफ लड़ाई जीत सकते हैं... जो लोग ड्रग्स का सेवन करते हैं वे पीड़ित हैं और जो उन्हें बेचते हैं वे अपराधी हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमने पीएम मोदी के मार्गदर्शन में सबसे प्रमुख लक्ष्य तय किया है कि 2047 में हम ड्रग फ्री भारत का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत हमारे आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है...आज यहां अवैध खेती के पहचान के लिए एक ऐप को सार्वजनिक किया गया है।

केरल को प्रधानमंत्री मोदी की सौगात से खुश हुए शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बुधवार को कहा कि वो 25 अप्रैल को पीएम मोदी द्वारा की जाने वाली राज्य की पहली वंदे भारत ट्रेन के लॉन्च में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रगति राजनीति से परे होनी चाहिए। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भी टैग किया और खुशी जताई कि वंदे भारत अब केरल पहुंच गया है। 2022 में थरूर ने केंद्र से राज्य को वंदे भारत देने का आग्रह किया। थरूर ने कहा कि खुश हूं कि अश्विनी वैष्णव ने ऐसा ही किया। केरल का पहला वंदे भारत कासरगोड से तिरुवनंतपुरम तक पूरे राज्य में 8 घंटे में 600 एलएम की दूरी तय करेगा। शशि थरूर ने 2022 में ट्वीट करते हुए कहा था कि वंदे भारत ट्रेनों को केरल में लाने से पिनाराई विजयन की विकास को बढ़ावा देने और भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में केरल कांग्रेस की चिंताओं को कम करने पर ध्यान देने की बात कही थी। हाल ही में पीएम मोदी ने राजस्थान में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

खेल
प्रमुख समाचार

बेंगलोर के खिलाफ पंजाब की नजरें धवन की चोट पर

मोहाली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ बृहस्पतिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच से पहले पंजाब किंग्स अपने कप्तान शिखर धवन के फिट होने की दुआ कर रहा होगा क्योंकि इस मैच में उन्हें आक्रामक बल्लेबाजी का सख्त जरूरत है। फॉर्म में चल रहे 37 वर्ष के धवन कंधे की चोट के कारण 15 अप्रैल को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ नहीं खेल सके थे। उनकी जगह इंग्लैंड के हरफनमौला सैम कुरेन ने कमान संभाली थी और पंजाब ने इकाना स्टेडियम पर दो विकेट से जीत दर्ज की थी। पंजाब के लिये जिम्बाब्वे के हरफनमौला सिकंदर रजा ने अब तक सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। उनके अलावा मैथ्यू शॉर्ट, हरप्रीत सिंह और एम शाहरूख खान ने भी जीत में योगदान दिया। लखनऊ की तुलना में हालांकि आरसीबी कठिन प्रतिद्वंद्वी है और कुरेन को पता है कि फाफ डु प्लेसी की टीम को हराने के लिये उन्हें भी बल्लेबाजी में योगदान देना होगा। बतौर बल्लेबाज उनका खराब फॉर्म चिंता का सबब है क्योंकि वह पिछले मैच में छह रन ही बना सके। उनके तीन विकेट ने हालांकि केएल राहुल की टीम को आठ विकेट पर 159 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। धवन की मौजूदगी में पंजाब का शीर्षक्रम मजबूत है लेकिन उनकी फिटनेस संदिग्ध होने के कारण उनके सलामी जोड़ीदार प्रभसिमरन सिंह को समझदारी से खेलना होगा। प्रभसिमरन (चार) और उनके नये सलामी जोड़ीदार अथर्व तायडे (0) सस्ते में आउट हो गए थे। पंजाब की गेंदबाजी हालांकि अब तक प्रभावी रही है। अर्शदीप सिंह और कुरेन ने मोर्चे से अगुवाई की हे जबकि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने उनका बखूबी साथ दिया है। पांच मैचों में छह अंक लेकर पांचवें स्थान पर काबिज पंजाब के बल्लेबाजों ने निराश किया है और उन्हें धवन की सख्त जरूरत है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 159 अंक टूटा निफ्टी भी सुस्त

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन लाल निशान पर बंद हुआ। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 159.21 अंक गिरकर 59,567.80 अंक पर बंद हुआ जबकि निफ्टी 41.40 अंक टूटकर 17,618.75 अंक पर बंद हुआ। बुधवार के कारोबारी सेशन में रुपया डॉलर के मुकाबले 18 पैसे की गिरावट के साथ 82.22 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबारी सेशन के दौरान आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली दिखी। एनएसई निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.77 फीसदी टूटकर बंद हुआ। निफ्टी में एचसीएल टेक के शेयरों में 2.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह इंडेक्स का टॉप लूजर रहा। वहीं बीपीसीएल के शेयर बाजार का टॉप गेनर रहा। वैश्विक बाजारों में दिखी कमजोरी भी घरेलू बाजार के टूटने का कारण बना। निवेशक अमेरिका में मंदी की आशंका से चिंतित दिखे।

नेटफ्लिक्स ने 116 देशों में सब्सक्रिप्शन की दरें घटाईं

नईदिल्ली। मनोरंजन क्षेत्र की ओटीटी कंपनी नेटफ्लिक्स ने भारत में अपने कारोबारी मॉडल की सफलता के बाद 116 देशों में अपनी सेवाओं (सब्सक्रिप्शन) की दरों में कमी की है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। नेटफ्लिक्स ने भारत में 2021 में कम कीमत वाली वाली योजना शुरू की थी। उसके बाद सालाना आधार पर उसके ग्राहकों की संख्या में 30 प्रतिशत और राजस्व में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी ने पहली बार 'सब्सक्रिप्शन' दरों में 20 से 60 प्रतिशत की कमी की थी। यह कदम उसने भारतीय बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए उठाया था। नेटफ्लिक्स ने अपने मार्च, 2023 तिमाही के नतीजों की घोषणा करते हुए कहा कि इस कटौती से 2022 में उसके राजस्व में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2021 में यह आंकड़ा 19 प्रतिशत का था।

करेंट फाइनेंशियल ईयर में 400 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है सर्विस एक्सपोर्ट: एसईपीसी

नईदिल्ली। देश से सेवाओं का एक्सपोर्ट चालू वित्त वर्ष (2023-24) में 400 अरब डॉलर के आंकड़े पर पहुंच सकता है। सेवा निर्यात संवर्द्धन परिषद (एसईपीसी) ने यह उम्मीद जताई है। बीते वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान सेवा निर्यात में उल्लेखनीय उछाल से उत्साहित एसईपीसी ने बुधवार को कहा कि वृद्धि का मजबूत रुख जारी रहेगा और चालू वित्त वर्ष में निर्यात 400 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 के दौरान देश का सेवा निर्यात 2021-22 के 254 अरब डॉलर से 42 प्रतिशत बढ़कर 322.72 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। एसईपीसी के चेयरमैन सुनील एच तलाती ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''सेवा क्षेत्र ने 300 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा था, लेकिन यह 322 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

जनवरी-मार्च तिमाही में ऑडी की बिक्री हुई डबल

नईदिल्ली। लग्जरी कार कंपनी ऑडी इंडिया की बिक्री चालू कैलेंडर साल की जनवरी-मार्च तिमाही में दोगुना से अधिक होकर 1,950 इकाई पर पहुंच गई। इससे पिछले साल की पहली तिमाही में कंपनी ने 862 वाहन बेचे थे। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने बयान में कहा, 'हमारे उत्पाद पोर्टफोलियो में इस समय 16 मॉडल हैं। इनमें सबसे मजबूत एसयूवी पोर्टफोलियो है जिसका कंपनी की कुल बिक्री में 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है।' उन्होंने कहा कि हाल में उतारी गई क्यू3 और क्यू3 स्पोर्टबैक की देशभर से काफी मांग आ रही है। ऑडी भारतीय बाजार में ए4, ए6, ए8 एल, क्यू3, क्यू3 स्पोर्टबैक, क्यू5, क्यू7, क्यू8, एस5 स्पोर्टबैक, आरएस5 स्पोर्टबैक, आरएस क्यू8, ई-ट्रॉन 50, ई-ट्रॉन 55, ई-ट्रॉन स्पोर्टबैक 55, ई-ट्रॉन जीटी और आरएस ई-ट्रॉन जीटी मॉडल बेचती है।

चुनौतियों के बीच रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा निर्यात और व्यापार

डॉ. जयंती लाल भण्डारी

13 अप्रैल को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत का वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में 447.46 अरब डॉलर रहा है, जो एक साल पहले 422 अरब डॉलर था। साथ ही यह पिछले वित्त वर्ष में 322.72 अरब डॉलर रहा है, जो एक साल पहले 254.53 अरब डॉलर था। ऐसे में वित्त वर्ष 2022-23 में वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात 770.18 अरब डॉलर की सर्वोच्च ऊंचाई पर पहुंच गया है।

गौरतलब है कि हाल ही में 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव' (जीटीआरआई) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की आर्थिक अस्थिरताओं के बावजूद वित्त वर्ष 2022-23 में भारत का विदेश व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते हुए 1.6 लाख करोड़ डॉलर मूल्य की ऊंचाई पर रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का विदेश व्यापार 1.43 लाख करोड़ डॉलर रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का विदेश व्यापार पिछले वर्ष के विदेश व्यापार से और ऊंचाई पर पहुंच सकता है।

नि:संदेह एक अप्रैल 2023 से लागू हुई देश की नई विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) से अब जहां निर्यात तेजी से बढ़ेंगे, वहीं विदेश व्यापार भी छलांगें लगाकर बढ़ेगा। नई विदेश व्यापार नीति के तहत सरकार ने निर्यात के दायरे को बढ़ाने के लिए जिला स्तर पर एक्सपोर्ट हब की स्थापना करने की घोषणा की है और वित्त वर्ष 2023-24 में 75 जिलों में एक्सपोर्ट हब बनाए जा सकते हैं। ई-कॉमर्स के माध्यम से होने वाले निर्यात के प्रोत्साहन के लिए अलग से ई-कॉमर्स जोन की स्थापना का भी ऐलान किया गया है। कूरियर सेवा के माध्यम से होने वाले निर्यात

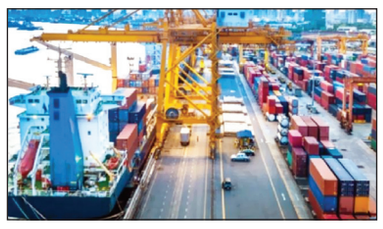

की वैल्यू लिमिट को 5 लाख रुपए से बढ़कर 10 लाख रुपए प्रति खेप कर दिया गया है। ऐसे में ई-कॉमर्स निर्यात 2030 तक 200 से लेकर 300 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। खास बात यह भी है कि नई एफटीपी के तहत आवेदनों का डिजिटलीकरण किया जाएगा तथा आवेदकों को स्वचालन प्रणाली के जरिये मंजूरी दी जाएगी। पहले निर्यात संबंधी विभिन्न मंजूरियों में तीन दिन से लेकर एक महीने का समय लगता था, अब यह मंजूरी एक दिन में मिलेगी।

नि:संदेह देश निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस समय भारत के तेजी से बढ़ते निर्यातों का ग्राफ इस बात का प्रतीक है कि भारतीय उत्पादों की मांग दुनियाभर में बढ़ रही है। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत विश्व पटल पर कृषि निर्यात के नए उभरते हुए देश के रूप में उपस्थिति दर्ज करते हुए मानवता के आधार पर दुनिया के जरूरतमंद देशों के लिए खाद्यान्न की आपूर्ति भी सुनिश्चित कर रहा है। भारत से खाद्य पदार्थों अनाज, गैर-बासमती चावल, गेहूं, बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाज के अलावा फलों एवं सब्जियों के निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई है।

कृषि एवं प्रसंस्करण खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2020-21 में खाद्य उत्पादों का निर्यात 25 अरब डॉलर था, यह वर्ष 2022-23 से 30 अरब डॉलर के पार पहुंच जाएगा। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले वर्ष 2022 में देश से निर्यात बढ़ाने में भारत के द्वारा यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भी प्रभावी भूमिका रही है। यह भी भारत की बढ़ती हुई वैश्विक निर्यात साख की सफलता है कि रिजर्व बैंक ने जुलाई 2022 में डॉलर पर निर्भरता कम करने और निर्यात बढ़ाने के लिए विदेशी व्यापार का लेन-देन रुपए में करने का प्रस्ताव किया था। 15 मार्च तक रूस, मॉरीशस व श्रीलंका के द्वारा भारतीय रुपए में विदेश व्यापार शुरू करने के बाद अब तक 18 देशों के बैंकों ने रुपए में व्यापार करने के लिए विशेष वोस्ट्रो खाते खोले हैं। दुनिया के 35 से अधिक देशों ने रुपए में व्यापार करने में रुचि दिखाई है। इससे भारत को निर्यात के मोर्चे पर बड़ा लाभ मिलेगा। अब देश के विदेश व्यापार को तेजी से बढ़ाने और देश को निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हमें कई बातों पर ध्यान देना होगा।

सत्ता के खेल में विचारधारा का कोई काम नहीं

राजकुमार सिंह

जिस विचारधारा की राजनेता कसमें खाते नहीं थकते, सत्ता के खेल में उसे धता बताते उन्हें देर नहीं लगती। कर्नाटक विधानसभा चुनाव का परिदृश्य फिर एक बार इसी सच को रेखांकित करता है कि सत्ता के खेल में विचारधारा कहीं गुम होकर रह गई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा से दशकों पुराने रिश्तों को दरकिनार कर पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टारकांग्रेसी हो गए। पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी पहले ही यह राह चुन चुके हैं। चुनाव से पहले टिकट से वंचित नेताओं द्वारा भी बगावत या विरोधी दल का दामन थाम लेना तो राष्ट्रव्यापी राजनीतिक रिवाज बन गया है, पर कर्नाटक विधानसभा चुनाव में सत्ता के तीनों दावेदार दलों के सेनापतियों की विचारधारा मूलत: एक ही होना तो और भी गंभीर वैचारिक सवाल खड़े करता है। विघटन की प्रक्रिया से गुजरते हुए जनता दल राज्य-दर-राज्य व्यक्तिकेंद्रित पारिवारिक दल बनता गया। कर्नाटक की राजनीति में किंगमेकर माना जा रहा जनता दल सेक्युलर भी उसी का प्रतीक है। वर्तमान जनता दल सेक्युलर का अर्थ पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा के परिवार की राजनीति तक सिमट कर रह गया है, जिसका प्रतिनिधि चेहरा फिलहाल पूर्व मुख्यमंत्री एच। डी। कुमारस्वामी हैं, पर मूल जनता दल की बात करें, जो बोफोर्स बवंडर के जरिये 1989 में केंद्र में सत्ता परिवर्तन का वाहक बना था, तो पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मौजूदा भाजपाई मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने भी अपना राजनीतिक सफर उसी से शुरू किया था। बसवराज बोम्मई के पिता एस आर बोम्मई कर्नाटक के मुख्यमंत्री ही नहीं, जनता दल के राष्ट्रीय नेता भी रहे। सिद्धारमैया की गिनती भी तब कर्नाटक जनता दल के बड़े नेताओं में होती थी। जाहिर है एक ही राजनीतिक विचारधारा से निकले तीन नेता आज अलग-अलग ही नहीं, प्रतिद्वंद्वी दलों के प्रतिनिधि के रूप में अगली सरकार के गठन के लिए जनादेश मांग रहे हैं। देश-प्रदेश की भलाई के लिए अमुक विचारधारा की जीत और दूसरी विचारधाराओं की हार जरूरी बताई जा रही है, पर क्या यह वैचारिक राजनीतिक जंग है भी? कटु सत्य यही है कि सिद्धारमैया और बसवराज बोम्मई, दोनों का ही जनता दल से अलगाव राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के टकराव के चलते हुआ। सबसे बड़े दल भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए 1996 में किए गए कांग्रेस समर्थित संयुक्त मोर्चा सरकारों के प्रयोग में चंद महीने प्रधानमंत्री रहने के बाद एच। डी। देवगौड़ा का कद इतना बड़ा हो गया कि कर्नाटक में जनता दल उनके परिवार के दायरे में सिमटता चला गया। किसी भी अन्य नेता के लिए देवगौड़ा के पुत्र एच। डी। कुमारस्वामी के नेतृत्व में राजनीति करने से आगे कोई संभावना बची ही नहीं। ध्यान रहे कि जनता दल सरकारों में दो बार उपमुख्यमंत्री रह चुके सिद्धारमैया को 2013 में मुख्यमंत्री बनने के लिए 2006 में कांग्रेस का हाथ थामना पड़ा। यह भी विचारधारा के राजनीतिक संकट का ही प्रमाण रहा कि दशकों तक देश-प्रदेश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस को कर्नाटक में सत्ता में वापसी के लिए एक पूर्व जनता दली की ताजपोशी करनी पड़ी। निश्चय ही जनता दल अरसे तक कर्नाटक में एक बड़ी राजनीतिक ताकत रहा है। दरअसल उसने ही कांग्रेस से सत्ता छीनी थी। भाजपा के उभार के बाद जनता दल तीसरे स्थान पर खिसक गया, पर लिंगायत, वोक्कालिंगा और कुरुबा सरीखे प्रभावशाली समुदायों और उनके मठों के प्रभाव वाली कर्नाटक की जमीनी राजनीतिक वास्तविकता आज भी यही है कि वह तीन ध्रुवों में बंटी है। जनता दल सेक्युलर तीसरा छोटा ध्रुव है, पर सत्ता संतुलन की चाबी उसी के पास मानी जाती है। यही कारण है कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के बहुमत के आंकड़े से पिछड़ जाने पर कांग्रेस ने अपने से आधे विधायकों वाले जनता दल सेक्युलर के नेता कुमारस्वामी को मुख्यमंत्री बना दिया। यह अलग बात है कि बहुमत जुटाने में नाकामी के चलते मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने को मजबूर हुए येदियुरप्पा ने साल बीतते-बीतते गठबंधन में सेंध लगाते हुए सत्ता में अपनी वापसी का मार्ग प्रशस्त कर लिया। वर्ष 2008 में कर्नाटक को दक्षिण भारत में भाजपा का प्रथम (और अभी तक एकमात्र भी) प्रवेश द्वार बनानेवाले लिंगायत नेता येदियुरप्पा को अपने दूसरे मुख्यमंत्रित्वकाल के दो वर्ष पूरे होने पर जुलाई, 2021 में जब बढ़ती उम्र के चलते सत्ता छोड़नी पड़ी तो भाजपा को भी उनका विकल्प एक पूर्व जनता दली बसवराज बोम्मई में ही नजर आया।

लेफ्ट लिबरल : हंगामा करना ही मकसद

सोनाली मिश्रा

अपराधी अपराधी होता है वह किसी भी जाति धर्म का हो। क्या अपराधियों का जाति धर्म के नाम पर समर्थन स्वस्थ लोकतंत्र के लिए खतरे का संकेत नहीं है? फिर यह हंगामा क्यों? यह शोर क्यों? इसका उद्देश्य क्या है? क्या वो न्याय की बात कर रहे हैं? यदि न्याय ही उद्देश्य होता तो अतीक अहमद के सताए लोगों को अनदेखा नहीं कर दिया जाता। यह न्याय की चाह में होने वाला हंगामा है ही नहीं। यह भारतीय लोक को अपमानित करके उसे कथित अल्पसंख्यक विरोधी दर्शाने का हंगामा है, जिसमें अपराधी को पीड़ित एवं पीड़ित को अपराधी से बदल देना ही उद्देश्य है।

ऐसा नहीं कि अतीक अहमद की हत्या में या अतीक के बेटे के एनकाउंटर में ही यह हुआ हो। यह लॉबी हर उस अपराधी के बचाव के लिए शोर मचाती है जो उनके एजेंडे में फिट बैठता है। फिर चाहे वह कई वर्ष पूर्व हुआ इशरत जहां का एनकाउंटर हो या फिर आईआईटी मुम्बई में दर्शन सोलंकी द्वारा आत्महत्या किए जाने पर इकबाल अरमान खत्री का बचाव। इस हंगामे की शक्ल इतनी ही है कि इसने हवा से अपना आकार लिया है।

भारत की लेफ्ट लिबरल लॉबी नैरेटिव गढ़ना सबसे जरूरी मानती है और सबसे पहले हवा बनाती है, फिर उस हवा को अपने पक्ष में करती है। जैसे गोधरा के स्टेशन पर कारसेवकों के जले हुए शवों पर झूठा नैरेटिव बना दिया कि भीतर ही लोगों का झगड़ा हुआ और आग लग गयी। यह हवा इस कदर बनाई कि न्यायालय का निर्णय आने के बाद भी अभी तक मुनव्वर फारुकी गोधरा स्टेशन पर जले हुए शवों से भरी साबरमती एक्सप्रेस को द बर्निंग ट्रेन कहकर उपहास करता है और उसी हवा के हंगामे से प्रभावित होकर इसी भारत में तालियां बजाई जाती हैं।

अब जब अतीक अहमद जैसे माफिया की हत्या हुई है, किसने की, क्यों की, यह सब जांच का विषय है, परन्तु हवा बनाई जा रही है। उसके अल्पसंख्यक होने की हवा और गोली चलाने वाले के जै श्री राम के नारे की हवा। इस हवा का उद्देश्य यही है कि किसी भी प्रकार से भारत के उस लोक को वैश्विक परिदृश्य में बदनाम कर दिया जाए, जिस लोक के विषय में हजारों वर्षों से विदेशी यात्री भी प्रशंसा करते रहे हैं।

हंगामे होते रहे हैं, होते रहेंगे, परन्तु दुर्भाग्य की बात यह है कि यह भारत की उस सूरत को बदलने के लिए हो रहे हैं, जो सहज समावेशी एवं सभी को साथ लेकर चलने वाली है। जो अपनी पहचान किसी पर नहीं थोपती है, बल्कि वह दूसरे के गुणों को आत्मसात करके स्वयं को ही और उन्नत करती है। यह हंगामे आरम्भ हुए थे रोहित वेमुला की कथित आत्महत्या के बाद। इसे लेकर भी भारत के लोक को कोसा गया, सरकार पर निशाना साधने के माध्यम से उस लोक को निशाना बनाया गया, जिसने इस सरकार को मत द्वारा चुना था।

यही हंगामा था, जो हाथरस में हुआ था, मगर उसमें तो हंगामे की ही सूरत स्पष्ट नहीं थी। एक सबसे मजेदार हंगामा हुआ था, अफगानिस्तान में मारे गए दानिश सिद्दीकी को लेकर। यह हंगामा बहुत ही सूक्ष्म मनोविज्ञान का सहारा लेकर गढ़ा गया था। कथित पत्रकार दानिश सिद्दीकी मारा गया अफगानिस्तान में, तालिबान और अफगानी सुरक्षा बलों के बीच झड़प को लेकर उसकी मृत्यु हुई थी, मगर इसमें तालिबान पर प्रश्न उठाने के स्थान पर हंगामा किया गया कि भारत का लोक दानिश की मृत्यु का अपमान कर रहा है।

दानिश सिद्दीकी की मृत्यु पर किया गया हंगामा इतना तेज था, कि इसने कुछ ही महीने पहले भारत में ही एक ऐसी घटना पर हुए छुटपुट हंगामे को एकदम शांत कर दिया, जिस पर वास्तव में हंगामा किया जाना चाहिए था। वह घटना थी महाराष्ट्र में पालघर में साधुओं की घेरकर हत्या। दो निहत्थे साधु, जिनका दोष क्या था, यह भी आज तक स्पष्ट नहीं है, परन्तु वर्ष 2020 में उन्हें भीड़ घेरकर मार डालती है। मगर हंगामा मचाने वाली लेफ्ट लिबरल लॉबी पुलिस के सामने हुई इस लिंचिंग पर, मौन साध जाती है।

भारत की लेफ्ट लिबरल लॉबी केवल और केवल अपने एजेंडे वाले मामलों पर ही हंगामा करना जानती है और चाहती है। वह न्याय नहीं चाहती। न्याय चाहती तो अफगानिस्तान में अपने प्रिय पत्रकार दानिश सिद्दीकी की मौत पर तालिबान से प्रश्न करती, तालिबान के प्रति भारत में ही सही, सांकेतिक प्रदर्शन करती। परन्तु ऐसा नहीं किया गया।

न्याय पाना मकसद होता तो रोहित वेमुला की चिट्ठी और जीवन एवं उसकी मानसिक व्यथा का विश्लेषण करती एवं सरकार का विरोध करने के स्थान पर असली दोषियों तक पहुंचती। यदि न्याय पाना ही मकसद होता तो दर्शन सोलंकी को आत्महत्या के लिए उकसाने के लिए जब इकबाल अरमान खत्री को हिरासत में लिया गया, तो इस बात पर हर्ष की अभिव्यक्ति होनी चाहिए थी कि अंतत: अपराधी पकड़ा गया, परन्तु ऐसा नहीं हुआ। आरोपी के पकड़े जाने पर भी उनके जीवन में हर्ष और प्रसन्नता नहीं थी। ऐसा लगा जैसे उनके एजेंडे पर पानी फिर गया, उन्होंने कुछ और निष्कर्ष सोच रखा था, वह कुछ और निकल आया। न्याय और एजेंडे वाले निष्कर्ष में जो भिन्नता है, वही उनकी वास्तविकता है।

फिर यह हंगामा हवा में किया गया कि एनकाउंटर में न्याय नहीं मिलता या फिर जज साहब से गुहार लगाई जा रही है कि आप अदालत बंद कर दें। उत्तर प्रदेश के माफिया अतीक अहमद के हत्यारे बेटे के एनकाउंटर का विरोध यह कहकर किया गया कि मजहब विशेष का होने के कारण एनकाउंटर किया गया है, एवं ऐसा परिदृश्य रचा जा रहा है कि केवल मुस्लिमों के ही एनकाउंटर हो रहे हैं। परन्तु क्या वास्तव में एनकाउंटर के बार में न्याय ही उनका मकसद है? यदि ऐसा होता तो फिर अपराधी विकास दुबे के एनकाउंटर के प्रति भी इतना ही शोर लेफ्ट लिबरल वर्ग का होना चाहिए था?

आज जब उत्तर प्रदेश में माफिया की हत्या को लेकर लेफ्ट लिबरल लॉबी द्वारा हंगामा मचाया जा रहा है, तो क्या इनमें से एक भी हंगामाकारिता करने वाले ने अपनी ही बिरादरी के जागेन्द्र सिंह की हत्या पर शोर मचाया था, जिनकी हत्या जलाकर कर दी गयी थी? इतना ही नहीं यह हंगामाकारिता करने वाले तो अपने ही विचारों की पत्रकार रिजवाना तबस्सुम की आत्महत्या के मामले में भी उसके साथ नहीं आए थे क्योंकि उसे समाजवादी पार्टी का ही एक नेता शमीम नोमानी परेशान कर रहा था और वह अपने सुसाइड नोट में उसका नाम लिखकर गयी थी। यह वर्ष 2020 की घटना है, जो जाहिर है अधिक पुरानी नहीं है, परन्तु हंगामाकारिता करने वालों के लिए आउट ऑफ सिलेबस है, क्योंकि उन्हें न्याय के लिए हंगामा नहीं करना है!

लेफ्ट लिबरल की वितंडा और प्रोपोगैंडा उत्पन्न करने वाली लॉबी के लिए यह महत्वपूर्ण नहीं है कि अपराधियों को पकड़ा जाए एवं न्याय मिले। उसके लिए अपने एजंडे पर हंगामा खड़ा करना एक अवसर है। वह चाहती है कि जो लोक भारत की आत्मा है, उसे बदनाम किया जाए। वो आम जनमानस के प्रति वैश्विक विमर्श में यह अवधारणा बनाना चाहते हैं कि भारत के आम लोग या भारत का लोक विमर्श ही कथित रूप से जन विरोधी, अल्पसंख्यक और पिछड़ा विरोधी है।

यह जो हंगामा है वह सूरत बदलने के लिए सूरत बिगाड़ने के लिए किया जा रहा है। और उपरोक्त तमाम घटनाओं के परिदृश्य में दुष्यंत से क्षमा याचना के साथ यही कहा जा सकता है कि- तब तक हंगामा खड़ा करना ही मेरा मकसद है दोस्तों, जब तक पूरी सूरत विकृत न हो जाए।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

शाण्डिल्योपनषद् (भाग-08)

गतांक से आगे...

तत्पश्चात् पुन: पिंगला से पूरक करके कुम्भक करते हुए इड़ा नाड़ी से रेचक करना चाहिए। इस प्रक्रिया से सूर्य और चन्द्र नाड़ी के द्वारा प्राणायाम का प्रतिदिन निरन्तर अभ्यास करने से योगी की सभी नाड़ियाँ तीन मास में ही पूर्ण शुद्ध हो जाती हैं। प्रात:काल, मध्याह्नकाल, सायंकाल तथा मध्य रात्रि में इसी तरह से चार बार मन्द मन्द गति से अस्सी मात्राओं तक कुम्भक का अभ्यास करना चाहिए। कनिष्ठ प्राणायाम के करते समय शरीर में पसीना आ जाता है, मध्यम स्तर का प्राणायाम करने में शरीर में कँपकँपी छूटती है और श्रेष्ठ प्राणायाम में पद्मासन में अवस्थित योगी अपने आसन से उठ जाता है।

प्राणायाम करते समय श्रम के कारण शरीर में से जो पसीना निकल आता है, उस पसीने को शरीर में मसल लेना चाहिए, क्योंकि इससे योगी का शरीर अत्यधिक मजबूत और हल्का हो जाता है। प्राणायाम का अभ्यास करते समय प्रारम्भिक अवस्था में दुग्ध एवं घृत के भोजन को ही अत्यधिक श्रेष्ठ बतलाया गया है। तत्पश्चात् जब अभ्यास स्थिर हो जाता है, तब किसी नियम की आवश्यकता नहीं रहती।

जिस प्रकार शनै:-शनै: सिंह, गज और व्याघ्र आदि को वश में कर लिया जाता है, उसी प्रकार वायु भी प्राणायाम के अभ्यास से धीरे-धीरे वश में आ जाती है; लेकिन इसके विपरीत नियम से चलने पर यानी जल्दबाजी करने से वायु योग का विनाश कर देती है। अत: जिस प्रकार से ठीक बने, वैसे ही रेचक करना चाहिए, जैसे ठीक लगे, वैसे ही पूरक करना तथा ठीक लगने तक ही कुम्भक करना चाहिए। इस प्रकार का अभ्यास करने से शीघ्र ही सिद्धि प्राप्त हो जाती है। यथेष्ट शक्ति के अनुसार कुम्भक करने से अग्नि प्रज्वलित होती है तथा नाड़ियों के शुद्ध होने से नाद- श्रवण होता है और शरीर रोगरहित हो जाता है। विधि-विधान पूर्वक प्राणायाम करने से योगी के समस्त नाड़ी समूह शुद्ध हो जाते हैं। तब सुषुम्ना नाड़ी का मुख भेदन करके वायु सुखपूर्वक उसमें प्रविष्ट हो जाता है। वायु जब बीच में सञ्चरित होती है, तब मन सुस्थिर होता है और जब मन की ठीक तरह से स्थिरता हो जाती है, तब उसी स्थिरता को मनोन्मनी अवस्था कहा जाता है। साधक को पूरक के अन्त में (कुम्भक के समय) जालन्धर नामक बन्ध करना चाहिए तथा कुम्भक के अन्त एवं रेचक के प्रारंभ में उड्डियान नामक बन्ध करना चाहिए। नीचे की ओर मूलरन्ध्र का संकोचन करने में कण्ठ का संकोचन होता है और बीच के भाग को पश्चिम (पीछे) की ओर खींचने से प्राणवायु ब्रह्मनाड़ी में निरन्तर गतिमान् होती रहती है। अपान वायु को ऊर्ध्व की तरफ ले जाकर तथा प्राणवायु को कण्ठ से नीचे की ओर लाकर के योगी साधक वृद्धावस्था से रहित होकर सोलह वर्ष की आयु वाला हो जाता है।

क्रमश:...

तात्या टोपे ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को चटाई थी धूल

अनन्या मिश्रा

बेशक ही कई सालों तक अंग्रेजों ने भारत पर राज किया हो, लेकिन ब्रिटिश हुकूमत के लिए हमारे देश पर कब्जा करना इतना आसान नहीं रहा है। इस दौरान ब्रिटिश हुकूमत को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जब अंग्रेजों ने बारत में पैर पसारना शुरू किआ तो उस दौरान भारत के कई महान राजाओं और स्वतंत्रता सेनानियों ने इन्हें तगड़ी टक्कर दी। हालांकि तमाम विरोध और मुश्किलों के बाद भी ब्रिटिश देश पर कब्जा करने में कामयाब हुए। ब्रिटिशों के चंगुल से भारत को निकालने के लिए साल 1857 में भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम शुरू हुआ था। इस दौरान कई राजाओं और सेनानियों ने अंग्रेजों का डटकर सामना किया था।

लेकिन स्वतंत्रता संग्राम ज्यादा समय तक अंग्रेजों के सामने टिक नहीं पाया था। बता दें कि इस स्वतंत्रता संग्राम को सफल बनाने के लिए तात्या टोपे, रानी लक्ष्मीबाई, मंगल पांडे जैसे लोगों ने अपनी सारी ताकत लगा दी थी। लेकिन राजाओं में एकता न हो पाने के कारण अंग्रेजों की फूट डालो, शासन करो नीति कामयाब हो गई थी। इसी संग्राम के दौरान तात्या टोपे ने अंग्रेजों की नाक में दम कर रखा था।

महाराष्ट्र राज्य के एक छोटे से गांव येवला में तात्या टोपे का जन्म 16 फरवरी 1814 में हुआ था। भारत में अपना साम्राज्य फैलाने के मकसद से अंग्रेजों ने उस समय के कई राजाओं से उनके राज्य छीन लिए थे। तभी पेशवा बाजीराव द्वितीय से भी अंग्रेजों ने उनका राज्य छीनने की कोशिश की। लेकिन पेशवा बाजीराव द्वितीय ने अंग्रेजों का डटकर सामना किया।

इस युद्ध में पेशवा बाजीराव द्वितीय की हार होने के कारण अंग्रेजों ने उन्हें राज्य से निकाल दिया और उन्हें बिठूर गांव भेज दिया। साल 1818 में बाजीराव द्वितीय को अंग्रेजों द्वारा हर साल आठ लाख रुपये पेंशन के तौर पर मिला करते थे। पेशवा की मौत होने के बाद अंग्रेजों द्वारा जी रही पेंशन बंद कर दी गई और उनके दत्तक पुत्र नाना साहब को पेशवा का उत्तराधिकारी मानने से इंकार कर दिया। जिसके बाद नाना और तात्या अंग्रेजों से नाराज हो गए और अंग्रेजों के खिलाफ रणनीति बनानी शुरू कर दी। साल 1857 में नाना साहब और तात्या टोपे ने स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया। तात्या टोपे को नाना साहब ने अपनी सेना की जिम्मेदारी देते हुए उनको अपनी सेना का सलाहकार मानोनित किया। इसके बाद साल 1857 में अंग्रेजों ने कानपुर में हमला किया। इस दौरान नाना ज्यादा समय तक अंग्रेजों के सामने टिक नहीं पाए और उनको हार का सामना करना पड़ा। इस हमले के बाद भी नाना और अंग्रेजों के बीच कई युद्ध हुए लेकिन सब में हार मिलने के बाद नाना अपने परिवार सहित नेपाल में जाकर बस गए। बताया जाता है नाना साहब ने नेपाल में अंतिम सांस ली। लेकिन इधर तात्या अंग्रेजों के सामने घुटने टेकने के लिए तैयार न थे। तात्या टोपे ने अपनी खुद की एक सेना का गठन किया। इस सेना की मदद से तात्या ने कानपुर को अंग्रेजों के कब्जे से छुड़ाने के लिए रणनीति तैयार की थी। लेकिन हैवलॉक ने बिठूर पर भी धावा बोल दिया। इस हमले में तात्या की हार हुई। लेकिन वह अंग्रेजों के हाथ नहीं आए और बिठूर से भागने में कामयाब रहे।

पाकिस्तान में संविधान की स्वर्ण जयंती पर सियासी संकट

मरिआना बाबर

जैसा कि वे कहते हैं-देर आए दुरुस्त आए। हाल ही में पाकिस्तान के हिंदू समुदाय के लिए एक अच्छी खबर आई, जिसकी वे वर्षों से मांग कर रहे थे। इस्लामाबाद प्रशासन ने 2017 के हिंदू विवाह अधिनियम के नियमों और प्रक्रियाओं की घोषणा करते हुए एक अधिसूचना जारी की है। यह एक ऐसा कानून है, जो पाकिस्तानी हिंदू को अपनी शादी और सभी प्रासंगिक अनुष्ठानों का जश्न मनाने का अधिकार देता है, जो सार्वजनिक रूप से विवाह समारोह से जुड़े हैं। यह एक बुनियादी स्वतंत्रता है, जिसका हर किसी को आनंद लेना चाहिए। यह दुखद है कि इस सांविधानिक अधिकार को मूर्त रूप देने में इतना समय लगा।

हालांकि खुद हिंदू समुदाय और सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि यह कानून पूरे देश में, विशेष रूप से सिंध में लागू हो, जहां सबसे अधिक संख्या में हिंदू रहते हैं। कानून अब हिंदू जोड़े को विवाह प्रमाणपत्र प्राप्त करने का अधिकार देता है, ताकि विवाह को पंजीकृत किया जा सके और वैध समझा जाए। पाकिस्तानी महिलाओं के लिए यह घोषणा भी अच्छी खबर है कि ऑस्कर विजेता निर्देशक शरमीन ओबैद-चिनॉय को 'स्टार वार्स' फ्रेंचाइजी में फिल्म निर्देशित करने के लिए नामित किया गया है, जो न सिर्फ यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली महिला हैं, बल्कि पहली अश्वेत भी हैं। वह पहले ही डिज्नी टीवी शो के कई एपिसोड और कई वृत्तचित्र निर्देशित कर चुकी हैं। लेकिन जैसा कि हम इस क्षेत्र में एक अन्य पाकिस्तानी महिला और उनकी अनेक बहनों की सफलता का जश्न मना रहे हैं, मैं अफगानिस्तान की बहनों के बारे में सोचने से खुद को नहीं रोक पा रही हूं। क्रूर तालिबानी शासन

द्वारा दिन-ब-दिन उनका दमन किया जा रहा है और हालांकि दुनिया के हर देश में आवाज उठाई गई है, लेकिन इससे तालिबान को कोई फर्क नहीं पड़ता है, जिन्होंने इस सप्ताह उनके पार्कों और रेस्तरांओं में जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया।

पाकिस्तान इस हफ्ते अपने संविधान की स्वर्ण जयंती मनाने में व्यस्त है, जो सभी राजनीतिक दलों द्वारा आम सहमति का दस्तावेज है, और जो लंबे समय तक सैन्य शासन एवं स्वयं सांसदों द्वारा इसे बार-बार संशोधित करने के बावजूद बरकरार है। लेकिन एक बहुत ही कमजोर लोकतंत्र वाले देश में यही एकमात्र दस्तावेज है, जो संघ और प्रांतों की संरचना को एक साथ जोड़े हुए है। हालांकि ये उत्सव ऐसे समय में हो रहे हैं, जब सबसे बड़े सांविधानिक संकटों में से एक महीने भर से ज्यादा समय से सुर्खियों में है।

परंपरागत रूप से पाकिस्तान में राजनीतिक या सांविधानिक संकट में हमेशा सुरक्षा प्रतिष्ठान शामिल रहता है, क्योंकि वह हमेशा राजनीतिक दखल देने और अपनी शक्ति का दुररुपयोग करने की कोशिश करता है और वह भी व्यापक राष्ट्रीय हित के नाम पर। लेकिन इस बार सांविधानिक संकट शाहबाज शरीफ सरकार और मुल्क के प्रधान न्यायाधीश उमर अता बंदियाल के बीच टकराव को लेकर है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ के कई न्यायाधीशों ने सर्वोच्च न्यायालय में %वन मैन शो% चलाने और अनगिनत स्वत: संज्ञान नोटिस द्वारा न्यायपालिका के अनावश्यक राजनीतिकरण करने के लिए प्रधान न्यायाधीश की आलोचना की है।

सरकार और सर्वोच्च न्यायालय के बीच टकराव का मुख्य बिंदु यह है कि सरकार अलग चुनाव नहीं कराना चाहती है, बल्कि देश में अक्तूबर में आम चुनाव कराना चाहती है। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए इंसाफ की पंजाब प्रांत में सरकार है। पंजाब और खैबर पख्तुनख्वा सरकार ने कुछ समय पहले दोनों प्रांतों की विधानसभाएं भंग कर दी। और अब संविधान के अनुसार 90 दिनों के भीतर चुनाव होने हैं। मामले-दर-मामले प्रधान न्यायाधीश का पक्षपात देखा जा सकता है, जहां वह पीटीआई प्रमुख इमरान खान को बार-बार राहत दे रहे हैं। इमरान खान के खिलाफ दर्जनों मामले दर्ज हैं, लेकिन उनमें से हरेक मामले में उन्हें जमानत मिल जाती है और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। इसके अलावा, स्वत: संज्ञान लेकर कार्रवाई करके और पंजाब व खैबर पख्तूनख्वा में चुनाव कराने का आह्वान कर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्टत: इमरान खान का समर्थन किया है।

सदन के नेता शाहबाज शरीफ इस मुद्दे को संसद में ले गए हैं और कहा है कि वर्तमान में नकदी की तंगी वाला कोई भी देश अलग चुनाव कराने का जोखिम नहीं उठा सकता है। सुरक्षा बलों ने भी कहा है कि वे आतंकवाद विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने में व्यस्त हैं और अपने अधिकारियों को चुनाव ड्यूटी के लिए नहीं छोड़ सकते। संसद ने एक प्रस्ताव के जरिये इस पर सहमति जताई और सर्वोच्च न्यायालय को संदेश दिया कि वह राजनीति में शामिल न हों और यह तय करना केवल मुख्य चुनाव आयुक्त का काम है कि चुनाव अलग से कराए जा सकते हैं या नहीं।

इस संदर्भ में राजनीतिक विश्लेषक एवं लेखक जाहिद हुसैन कहते हैं, %निश्चित रूप से हमारे सांविधानिक इतिहास के 50 साल जश्न मनाने लायक हैं, लेकिन जो सबसे महत्वपूर्ण है, वह है संविधान का वास्तविक रूप से काम करना। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ है। मुल्क अब भी एक रास्ता तलाशने के लिए संघर्ष कर रहा है। शक्ति संघर्ष ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पहले की तुलना में बहुत कमजोर कर दिया है, जिससे संविधान के एक बार फिर पटरी से उतरने की आशंका बढ़ गई है। बेहद वैध आलोचना का एक और बिंदु यह है कि जब प्रधान न्यायाधीश किसी राजनीतिक मामले की सुनवाई के लिए पीठ का गठन करते हैं, तो अपने बाद के सबसे वरिष्ठतम न्यायाधीश को उसमें शामिल करने से बचते हैं, जो सितंबर में पदभार संभालेंगे, यानी जस्टिस फैज ईसा। प्रधान न्यायाधीश उन न्यायाधीशों को पीठ में शामिल करते हैं, जो पंजाब से हैं, जबकि छोटे प्रांतों के न्यायाधीशों को उससे बाहर रखते हैं। पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति को इन शब्दों में बखूबी अभिव्यक्त किया गया है- सुप्रीम कोर्ट में प्रतिदिन होने वाले नाटक ने न केवल राज्य के तीसरे स्तंभ को विधायी और कार्यकारी अंगों के साथ सीधे टकराव की स्थिति में ला दिया है, बल्कि देश में व्याप्त अनिश्चितता और भ्रम को भी बढ़ा दिया है। अगर कुछ है, तो वह कि शेष समाज की तरह सर्वोच्च न्यायपालिका भी राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत और बंटी हुई है।

गांधी आज

संस्था के सभ्य

जिस संस्था के सभ्यों में परस्पर भ्रातृभाव और आदर नहीं है वह संस्था अधिक समय तक तेजस्वी नहीं रह सकती। उसमें शाखाएं और दलबंदियाँ हो जाएंगी, और उसके सदस्य संस्था के मूल उद्देश्य को भूलकर एक-दूसरे के साथ लड़ने झगड़ने में ही लग जाएंगे। जिस संस्था के सभ्य अपने से ऊपरवालों की आज्ञा का पालन करने के लिए सहर्ष तत्पर न रहते हों वह अधिक समय तक तेजस्वी नहीं रह सकती। उसमें आलस्य और ढीलापन आ जाएगा, और सभ्य प्रमाद में पड़ जाएंगे। संचालक और सभ्यों में केवल स्थूल ही नहीं बल्कि मानसिक सहयोग भी होना चाहिए। अर्थात् सभ्यों के लिए संचालक की इच्छा या आज्ञा के अधीन होना ही काफी नहीं है,

जिस नियम या आज्ञा के औचित्य के विषय में सभ्यों को इतमीनान न हो उसके बारे में उन्हें संचालक के साथ स्पष्टीकरण कर लेना चाहिए और जबतक समाधान न हो जाय तबतक संचालक के मन में ऐसा भाव न उत्पन्न होने देना चाहिए कि समाधान हो गया। ऐसा नियम या आज्ञा अगर सत्य या धर्म के विपरीत न मालूम होती हो किन्तु व्यावहारिक दृष्टि से ही अनुचित लगती हो तो उसके औचित्य के बारे में समाधान न होने पर भी उसका पालन करना चाहिए और यदि वह सत्य और धर्म के विरुद्ध मालूम हो तो संस्था छोड़ने तक के लिए तैयार रहना चाहिए। वह नियम या आज्ञा सत्य या धर्म के विरुद्ध न हो पर अपनी कमजोरी के कारण उसका पालन कठिन जान पड़ता हो तो संस्था की भलाई के लिए सभ्य का उसे छोड़ देना ही इष्ट माना जाएगा। सभ्यों में परस्पर मतभेद हो जायें, किसी के आचरण के विषय में शंका हो या उससे अपने को असंतोष हुआ या दु:ख पहुँचा हो, किसी की नीयत के बारे में अपने मन में बदगुमानी हुई हो, तो वैसे हरएक मामले में सबसे पहले उस आदमी से ही बातचीत करके सफाई कर लेनी चाहिए। अगर इससे सफाई न हो और उसके बारे में हमारी राय कायम रहे या अधिक दृढ़ हो जाय तो उसकी सूचना उसके या अपने तात्कालिक अफसर को दे देनी चाहिए और मुनासिब कार्रवाई करने का भार उसे सौंप देना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक चुनाव, भूपेश का नाम स्टार प्रचारकों की सूची में

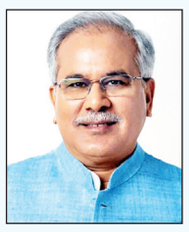

रायपुर। आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, राज्य प्रमुख डीके शिवकुमार, एलओपी सिद्धारमैया, जगदीश शेट्टार, शशि थरूर और अन्य के नाम हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का नाम भी कांग्रेस ने स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल है। बता दें कर्नाटक में 10 मई को विधानसभा चुनाव होने वाला हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल असम, हिमाचल प्रदेश और उत्तरप्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल रहे हैं।

योग आयोग के अध्यक्ष ने 33 वें नियमित योगाभ्यास केन्द्र का किया शुभारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग नगर निगम क्षेत्र में योगाभ्यास शुरू कर रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा ने कुरूद में 33 वें निःशुल्क नियमित योगाभ्यास केन्द्र का शुभारंभ किया। योगाभ्यास केन्द्र का संचालन योग प्रशिक्षक भेमा साहू द्वारा प्रतिदिन सुबह 6ः00 से 7ः30 बजे तक पुराना कृषि उपज मंडी परिसर में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री नीलम चन्द्राकर अध्यक्ष कृषि उपज मंडी समिति, कुरूद ने की। इस अवसर पर जिला पंचायत, धमतरी की सभापति तारिणी चन्द्राकर, छत्तीसगढ़ योग आयोग के सचिव श्री एम. एल. पांडेय, समाज कल्याण विभाग की अधिकारीगण, योग साधकगण सहित बड़ी संख्या में कुरूद के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में कोरोना ने बढ़ाई टेंशन पिछले 24 घंटे में 531 कोरोना मरीज मिले

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना के बढ़ते ग्राफ ने चिंता बढ़ा दी है। प्रदेश में तेजी से कोरोना पैर पसार रहा है। पिछले 24 घंटे में 531 कोरोना मरीज मिले है। जिसमें 6,223 मरीजों की सैंपल जांच की गई है। वहीं, प्रदेश में कोरोना से चार लोगों की मौत हो गई है। आपको बता दें कि प्रदेश की पॉजिटिविटी दर 8.53 प्रतिशत है। इसमें सुकमा में एक, नारायणपुर में एक, कोंडागांव में दो, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही से दो, बस्तर में तीन, जशपुर से चार, गरियाबंद में चार, बलरामपुर में छह, जांजगीर-चांपा में आठ, कोरबा में 10, कबीरधाम में 11 , दागेवाड़ा में 11 मरीज मिले हैं। इसके साथ ही बीजापुर से 17, बेमेतरा से 19, महासमुंद से 20, रायगढ़ से 23, बालोद से 24, सूरजपुर से 30, दुर्ग से 30, बलौदाबाजार से 31, कांकेर से 32, बिलासपुर से 38, सरगुजा से 38, राजनांदगांव से 52, रायपुर से 84 शेयर मिले हैं।

मई में आ सकते हैं बोर्ड परीक्षा के परिणाम

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ माध्यामिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम अगले महीने मई में आ सकते हैं। उत्तरपुस्तिका के मूल्यांकन का काम पूरा कर लिया गया है। कबीरधाम में ही अकेले एक लाख से अधिक कॉपियों की जांच पूरी कर ली गई है। इसके लिए शहर के स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल को केंद्र बनाया था। केंद्र अध्यक्ष आरपी सिंह ने बताया कि 25 मार्च से 16 अप्रैल तक मूल्यांकन का कार्य किया गया है। इसके लिए जिले के करीब 250 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई थी। बच्चों के उत्तरपुस्तिका की जांच के बाद प्राप्त अंकों की जानकारी माशिमं कार्यालय भेजी जा चुकी है। बोर्ड 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने वाले शिक्षकों को फीस देती है। बोर्ड ने 10वीं की एक उत्तरपुस्तिका जांचने पर 10 रुपये और 12वीं की एक उत्तरपुस्तिका जांच पर 11 रुपये निर्धारित किए हैं।

केशकाल जनपद पंचायत के सहायक ग्रेड-02 को किया गया निलंबित

कोण्डागांव। कार्यालय जिला पंचायत कोण्डागांव द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार केशकाल जनपद पंचायत में पदस्थ सहायक ग्रेड-02 ललित कौशिक को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत के द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरूप कार्यों का निष्पादन न करने एवं जारी स्पष्टीकरण के संबंध में जवाब प्रस्तुत न करते हुए कार्यालयीन दस्तावेजों एवं नस्तियों की जानकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत केशकाल के संज्ञान में लाये बिना अन्य व्यक्तियों को प्रदान किये जाने के फलस्वरूप उक्त कृत्य को छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (आचरण) नियम 1998 के नियम-03 के विपरित होने के कारण तत्काल प्रभाव से जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा आदेश जारी कर निलंबित कर दिया गया है। उक्त निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय उपसंचालक पंचायत कोण्डागांव नियत किया गया है। इस दौरान उन्हे जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

वादाखिलाफी और निकम्मेपन से कांग्रेस में बदहवासी का आलम - केदार

सौंदर्यीकरण, जन सुविधाओं एवं निर्माण से संबंधित अनेक कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के उस बयान पर तंज कसा है, जिसमें उन्होंने अगले विधानसभा चुनाव में टिकट को लेकर अंतिम फैसला हाईकमान द्वारा किए जाने की बात कही है। कश्यप ने कहा कि पहले कांग्रेस यह तो तय कर ले कि टिकट देने का आधार आखिर क्या होगा? भाजपा प्रदेश महामंत्री कश्यप ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव करीब आ रहे हैं, अपनी सरकार की वादाखिलाफी और निकम्मेपन ने कांग्रेस में बदहवासी का आलम पैदा कर दिया है और अब कांग्रेस के लोग यह भी तय नहीं कर पा रहे हैं कि अगले चुनाव में टिकट किसको दें और किसको न दें? कश्यप ने कहा कि ऊहापोह में डूबी कांग्रेस कभी विधायकों के परफॉर्मेंस को टिकट मिलने का आधार बताती है तो कभी कहती है कि पार्टी स्तर पर सर्वे के आधार पर टिकट दी जाएगी, फिर कहती है जो जिताऊ होगा, उसे टिकट दी जाएगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मरकाम ने अब कह दिया कि हाईकमान जिसे कहेगा, उसे टिकट दी जाएगी। भाजपा प्रदेश महामंत्री कश्यप ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को अब 06 महीने का समय शेष है। प्रदेश कांग्रेस की सरकार ने कई दौर का सर्वे कराया है। संगठन के स्तर पर भी फीडबैक लिया जा रहा है। टिकट पर अंतिम निर्णय से पहले हाईकमान भी सर्वे कराता है और तब टिकट वितरण होता है। कश्यप ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता छत्तीसगढ़ प्रवास पर आते हैं और वे कहते हैं कि जिताऊ चेहरों को टिकट देंगे, यानी वे इस बात को मान रहे हैं कि कांग्रेस के मौजूदा विधायक जिताऊ नहीं रह गए, या जनता की नजर में फिसड्डी साबित हुए हैं। फिर प्रदेश अध्यक्ष मरकाम कहते हैं कि सर्वे के आधार पर टिकट देंगे, तो क्या कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को वह सर्वे याद है जिसमें जनता ने कांग्रेस विधायकों को शून्य नंबर दिया है। अब प्रदेश अध्यक्ष मरकाम कह रहे हैं कि हाईकमान फैसला करेगा।

भाजपा प्रदेश महामंत्री कश्यप ने कहा कि जब कांग्रेस का हाईकमान फैसला करेगा तो सर्वे की क्या जरूरत है? कुल मिलाकर, टिकट वितरण को लेकर कांग्रेस के नेता अलग-अलग बयान देकर अपने ही कार्यकर्ताओं को कन्फ्यूज कर रहे हैं। कश्यप ने कहा कि टिकट वितरण की कोई स्पष्ट रणनीति कांग्रेस में नजर नहीं आ रही है। कितने विधायकों को टिकट मिलेगी, कितने विधायकों की टिकट कटेगी, इसको लेकर भी अनिश्चय की स्थिति से पूरी कांग्रेस जूझ रही है। कांग्रेस के अंदरखाने एक तरह से कोहराम मचा हुआ है कि टिकट वितरण का पैनामा क्या रहेगा और टिकट वितरण कौन करेगा?

विधायक पर नक्सली हमला की घटना सस्ती लोकप्रियता के लिए प्रायोजित थी - महेश गागड़ा

बीजापुर। पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी के काफिले पर नक्सली हमला की घटना के फौरन बाद विधायक के क्रिकेट पिच पर चौके छक्के जड़ने पर तंज कसते कहा कि नक्सली हमला की घटना के बाद विधायक जिस तरह क्रिकेट खेलते नजर आते हैं, उससे यही लगता है कि जो नक्सली घटना हुई वह केवल सनसनी फैलाने के उद्देश्य से प्रायोजित थी। उन्होंने कहा कि केवल सस्ती लोकप्रियता के लिए विधायक की यह सोची समझी रणनीति थी, जबकि घटना स्थल संवेदनशील है, ऐसे में पूरे घटनाक्रम पर सवाल उठना लाजिमी है। उल्लेखनिय है कि कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी के काफिले पर नक्सलियों ने हमला किया, जिसके चंद घंटों बाद बीती रात में बेफ्रिक विधायक मैदान में चौके-छक्के जडते नजर आ रहे हैं। नक्सली हमले के बाद विधायक मंडावी के बीजापुर जिला मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडियम में चल रहे विधायक कप में विक्रम मंडावी बैट्समैन की भूमिका में नजर आए। बकायदा कमेंट्री में विधायक के नाम का जिक्र होता है, जिसमे उन्हें स्ट्राइक पर बताय जाता जाता है।

मंत्री की कार को फालोगार्ड की गाड़ी ने टक्कर मार दी, सभी सकुशल

बिलासपुर। शिक्षा मंत्री की कार को फालोगार्ड की गाड़ी ने टक्कर मार दी। इससे मंत्री उमेश पटेल के सिर और पैर में चोटें आई हैं। यहां प्राथमिक उपचार के बाद मंत्री ने कुछ देर छत्तीसगढ़ भवन में विश्राम किया। इसके बाद रायपुर लौट गए हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल मंगलवार की रात रायपुर से रायगढ़ के खरसिया, नंदेली जा रहे थे। भोजपुरी टोल प्लाजा के पास रात नौ बजे के करीब काफिले में शामिल फालोगार्ड की गाड़ी अनियंत्रित हो गई। गाड़ी सीधे मंत्री की कार के पीछे जा टकराई। इस दौरान मंत्री उमेश पटेल कार में ही खाना खा रहे थे।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। काफिले में शामिल लोग तत्काल मंत्री की कार के पास पहुंचे। उन्हें सिर और पैर में मामूली चोटें आई थीं। इसे देख मंत्री के समर्थकों और पुलिस ने राहत की सांस ली। इसके बाद मंत्री वहां से बिलासपुर के लिए रवाना हो गए। छत्तीसगढ़ भवन में थोड़ी देर विश्राम के बाद उन्होंने लिंक रोड स्थित एक अस्पताल में जांच कराई। इसके बाद वे नंदेली के बजाय रायपुर के लिए रवाना हो गए।

मंत्री की कार दुर्घटना ग्रस्त होने की जानकारी जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को कुछ ही देर बाद मिल गई। इसके बाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय केशरवानी, पर्यटन मंडल के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव और कांग्रेस नेता विवेक बाजपेयी छत्तीसगढ़ भवन पहुंच गए। इनके साथ ही बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भी छत्तीसगढ़ भवन पहुंचे। उन्होंने मंत्री उमेश पटेल का हाल पूछा।

माफियाओं के आगे भूपेश सरकार ने टेक दिए घुटने : कोमल हुपेंडी

रायपुर। छत्तीसगढ़ अपराधियों का गढ़ बनता जा रहा है। प्रदेश में अपराध के ग्राफ में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह से फेल हो गया है। आलम यह है कि रोजाना प्रदेश में कहीं न कहीं हत्याएं हो रही हैं। प्रदेश में लगातार हो रही अपराधिक घटनाओं को लेकर आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने भूपेश सरकार पर सवाल खड़े किए। कोमल हुपेंडी ने कहा कि न्यायधानी बिलासपुर में एक महिला के साथ आरोपियों ने गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया है। ऐसे में जब न्यायधानी का यह हाल है तो अन्य जिलों का क्या हाल होगा, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि माफियाओं के आगे भूपेश सरकार ने घुटने टेक दिया है। प्रदेश में महिलाएं, बहन-बेटियां खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है।

कोलम हुपेंडी ने कहा कि प्रदेश में लगातार हत्या, लूट, चोरी, डकैती छिनैती एवं चाकूबाजी की वारदात सामने आ रही है, लेकिन प्रदेश की भूपेश सरकार अपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाने में विफल साबित हो रही है। प्रदेश में माफियाओं में शासन-प्रशासन का डर बिलकुल खत्म हो गया। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हैं। यहां माफिया राज कायम हो गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में अपराध अपनी चरम सीमा पर है। कहीं माफिया खुलेआम घूम रहे हैं, तो कहीं से पुलिस की दादागिरी की तस्वीर सामने आ रही है और दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल चुनावी प्रचार में व्यस्त हैं।

कोमल हुपेंडी ने कहा कि प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है, लेकिन भूपेश सरकार और उनकी पुलिस अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने में असमर्थ हो गई है। आलम यह है कि प्रदेश में गुंडे-माफिया खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में माफिया राज चल रहा है, सभी जगह भय का माहौल व्याप्त है। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में बेमेतरा में हुई सांप्रादायिक हिंसा की आग में पूरा प्रदेश जल उठा। ऐसे में भूपेश सरकार की विफलता का अंदाजा लगाया जा सकता है। भूपेश सरकार में लगातार हिंसा का दौर बदस्तूर जारी है।

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ी पर्व सम्मान निधि का आज करेंगे शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गुरुवार को मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ी पर्व सम्मान निधि योजना का शुभारंभ करेंगे। इस योजना का उद्देश्य सामुदायिक विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों के तीज त्यौहार, संस्कृति और परंपरा को संरक्षित करने का है। इसके तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत को 10-10 हजार रुपये की राशि दो किश्तों में दी जाएगी। इससे पहले मुख्यमंत्री बघेल और प्रियंका गांधी ने जगदलपुर में 13 अप्रैल को आयोजित भरोसा सम्मेलन में मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना की शुरुआत की थी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रारंभ की जा रही योजना का उद्देश्य गैर-अनुसूचित ग्रामीण क्षेत्रों के तीज-त्यौहारों की संस्कृति व परंपरा को संरक्षित करना है। इन त्यौहारों, उत्सवों का मूल स्वरूप में आगामी पीढ़ी को हस्तांतरण और सांस्कृतिक परंपराओं का अभिलेखन किया जाएगा। सामुदायिक क्षेत्रों के गांवों में स्थानीय उत्सवों, त्यौहारों, मेला-मड़ई का विशेष महत्व रहता है। ऐसे सभी उत्सवों, त्यौहारों, सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत को राशि उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश में 61 विकासखंड सामुदायिक क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। यह राशि केवल सामुदायिक विकासखंड क्षेत्र के 6111 ग्राम पंचायतों को दी जाएगी। योजना के क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायत स्तरीय शासकीय निकाय समिति का गठन किया जाएगा। इसमें सरपंच (अध्यक्ष), पुजारी, बैगा सदस्य, ग्राम के दो बुजुर्ग सदस्य, ग्राम की दो महिला सदस्य, ग्राम कोटवार, पटेल सदस्य एवं ग्राम सचिव को शामिल किया गया है। गांव के किस-किस तीज त्यौहार के लिए इस राशि का उपयोग किया जाएगा।

7 ग्राम पंचायतों के सचिव निलंबन से हुए बहाल

उत्तर बस्तर कांकेर। सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए दिये गये निर्देशों के उपरांत भी निर्माण कार्य को पूर्ण नहीं करवाने के कारण जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा 19 ग्राम पंचायत सचिवों को निलंबित किया गया था, जिनमें से 07 ग्राम पंचायत के सचिवों को बहाल किया गया है।

इनमें जनपद पंचायत कांकेर के ग्राम पंचायत मुरागांव सचिव शिवराम दर्रो, ग्राम पंचायत ईरादाह के सचिव महेश मण्डावी, ग्राम पंचायत कुरिष्टिकुर के सचिव डॉ. प्रसाद प्रधान तथा जनपद पंचायत अंतागढ़ के ग्राम पंचायत हिन्दूबिनापाल के तत्कालीन सचिव नरेश कुमार दुग्गा, ग्राम पंचायत बड़ेपिंजोड़ी के सचिव जागेश्वर बघेल, ग्राम पंचायत गोड़बिनापाल के सचिव तुलाराम मरकाम को बहाल किया गया है तथा जनपद पंचायत कोयलीबेड़ा के ग्राम पंचायत चांदीपुर के सचिव दीपक सरकार द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषप्रद होने से उन्हें निलंबन से बहाल कर विभागीय जांच संस्थित किया गया है।

कृषि विवि दीक्षांत समारोह में दानदाता के वशंजों को आमंत्रित नहीं किये जाने से नाराजगी

रायपुर। स्वाभाविक है जिनके दान की जमीन पर आज इतना बड़ा विवि चल रहा हो और कोई बड़ा आयोजन वहां हो और ऐसे लोगों को ही आमंत्रित नहीं किया जाए तो पीड़ा स्वाभाविक है। छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज के केंद्रीय अध्यक्ष दाऊ अनुराग अग्रवाल व सचिव डा दाऊ जयप्रकाश अग्रवाल ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में दानवीर दाऊ कल्याण सिंह अग्रवाल के वंशज एवं छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज को आमंत्रित नहीं किए जाने पर समाज ने नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज के भामाशाह दानदाता दाऊ कल्याण सिंह अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ में कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में विकास के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को 1728 एकड़ (एक लाख बहत्तर हज़ार हेक्टेयर) भूमि दान में दी। जिसमें से 1400 एकड़ भूमि भाटापारा क्षेत्र में और 300 एकड़ से अधिक की भूमि रायपुर में स्थित है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े दानदाता के वंशजों व कर्ता-धर्ता छत्तीसगढ़ी दाऊ अग्रवाल समाज को विश्वविद्यालय ने अपने दीक्षांत समारोह में आमंत्रित ना कर उनका अपमान करने किया है। छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल और सचिव डॉक्टर जेपी अग्रवाल ने कहा कि दुखद विषय यह है कि छत्तीसगढ़ में दानदाताओं के सम्मान की एक समृद्ध परंपरा है। और ऐसे छत्तीसगढ़ में यह कार्य एक शैक्षणिक संस्था द्वारा किया गया है। जिस पर छात्रों को शिक्षा के साथ संस्कार देने की जिम्मेदारी होती है।

उन्होंने कहा कि जब इस बाबत जिम्मेदार अधिकारियों के सामने आपत्ति दर्ज कराई गई तो उन्होंने कहा कि आपको व्हाट्सएप से आमंत्रण भेज दिए थे फोन नहीं कर पाए। छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज ने मांग की कि दाऊजी के दान को देखते हुए रायपुर स्थित विश्वविद्यालय परिसर में दाऊ कल्याण सिंह अग्रवाल की आदमकद प्रतिमा लगाई जाये और विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित फूड टेक्नोलॉजी कॉलेज ऑडिटोरियम का नाम दाऊ कल्याण सिंह अग्रवाल के नाम पर करके छत्तीसगढियों का मान बढ़ाए।

बिना तलाक के दूसरी पत्नी अवैध, आयोग ने नारी निकेतन रायपुर भेजने दिये निर्देश

0 आयोग की सुनवाई के दौरान दूसरी पत्नि रखने वाले ने आत्महत्या की दी धमकी, अध्यक्ष ने एफआईआर कराने के दिए निर्देश

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने सदस्य डॉ अनीता रावटे की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट सभागार गरियाबंद में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर जनसुनवाई की। आयोग की अध्यक्ष डॉ नायक की अध्यक्षता में आज 170 वीं जन सुनवाई हुई। आज की जनसुनवाई में कुल 24 प्रकरण सुनवाई के लिए रखे गये थे, जिसमें 13 प्रकरण नस्तीबद्ध किये गये। साथ ही 2 प्रकरण महिला आयोग रायपुर कार्यालय मे स्थानांतरित किये गये। कार्यवाही के दौरान सभापति महिला एवं बाल विकास मधुबाला रात्रे, परियोजना अधिकारी चन्द्रहास साहू, जिला बाल संरक्षण अधिकारी मिशन वात्सल्य अनिल द्विवेदी, संरक्षण नवा बिहान लता पटेल एवं केन्द्र प्रशासक सखी वन स्टॉप सेंटर रेवती यादव उपस्थित रहे।

सुनवाई के दौरान एक प्रकरण में आवेदिका ने बताया कि लगभग 12 वर्ष पूर्व उसका विवाह अनावेदक प्रभाकर साहू के साथ हुआ था। जिसके दो बच्चे है। बड़ा बेटा 9 साल और 8 साल की बेटी है। लगभग 10 माह पूर्व अनावेदक के मारपीट के कारण वह अपने मायके मे है। बेटी आवेदिका के पास है और बेटा अनावेदक के पास है। अनावेदक से पूछे जाने पर उसने बताया कि आवेदिका के जाने के 2 माह बाद उसने एक लड़की को अपने घर में पत्नि की तरह रखा है। अनावेदक प्रभाकर का कहना है कि उसने मंदिर मे मांग भरकर शादी किया है। अनावेदक के माता पिता का कहना है कि अनावेदक उनसे अलग रहता है। लेकिन बेटे का पालन पोषण कर रहा है। आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि बिना तलाक के दूसरी पत्नी रखना अवैध है। अनावेदक प्रभाकर द्वारा आयोग की सुनवाई के दौरान धमकी दिया गया कि वह दूसरी लड़की जिसको उसने अवैध रूप से पत्नी बना कर रखा है उसके बिना जिंदा नही रहेगा और मर जायेगा। सुनवाई के दौरान प्रभाकर द्वारा आत्महत्या की धमकी देने पर आयोग की अध्यक्ष डॉ नायक ने तत्काल कार्यवाही करते हुए अनावेदक प्रभाकर को गरियाबंद थाना प्रभारी के सुपुर्द किया। साथ ही अनावेदक के विरूद्ध आत्महत्या की धमकी देने पर एफआईआर दर्ज करने के भी निर्देश दिये। डॉ नायक ने एफआईआर की कार्यवाही पूर्ण कराने आयोग की क्लर्क सु टोप्पो, परियोजना अधिकारी चन्द्रहास साहू को निर्देशित किया। उसके उपरांत आवेदिका को समझाईश देकर प्रकरण रायपुर कार्यालय स्थानांरित करने के निर्देश दिये। आयोग की अध्यक्ष डॉ नायक ने सुनवाई के दौरान कहा कि दूसरी पत्नी का अनावेदक प्रभाकर के साथ रिश्ता बने रहना कानूनन और सामाजिक रीति से पूर्णत: असंवैधिनक है। जिसे बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। चूंकी प्रभाकर और आवेदिका का तलाक नही हुआ है। अत: तथाकथित विवाह शून्य और अवैधानिक विवाह है। चूंकि अनावेदिका दूसरी पत्नी के पास रहने के लिए कोई जगह नही होने के कारण सखी सेंटर गरियाबंद के केन्द्र प्रशासक को अनावेदिका दूसरी पत्नी को अपने क्षेत्राधिकार में रखने एवं उसे रायपुर नारी निकेतन भेजने के निर्देश दिये। अनावेदिका दूसरी पत्नी को माता पिता या पूर्व पति शपथ पत्र देने पर ही उनको उनके सुपुर्द किया जा सकता है। अन्यथा उनके रहने की अस्थायी व्यवस्था नारी निकेतन रायपुर मे होगी।

अन्य प्रकरण मे आवेदिका ने अनावेदक के परिवार के विरूद्ध एफआईआर किया गया। वह लोग जमानत पर रिहा है। यह प्रकरण न्यायालय मे चल रहा है ऐसी स्थिति मे आयोग मे सुना जाना संभव नहीं है जिसके कारण प्रकरण को नस्तीबद्ध किया गया। अन्य प्रकरण में आवेदिका एवं अनावेदक दोनों शासकीय शिक्षक है। आयोग मे अवैध संबंध के प्रकरण में मामला दर्ज है। इसके अलावा दहेज प्रताड़ना के संबंध मे प्रकरण न्यायालय मे चल रहा है। आयोग की अध्यक्षता में बच्चे के भविष्य को ध्यान में रखते हुए दोनों को आपसी सुलह करने समझाईश दिया गया। इसके साथ ही प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। अन्य प्रकरण में अनावेदक पक्ष ने बताया कि गरियाबंद दीवानी न्यायालय मे प्रकरण चल रहा है। आवेदिका का कथन है कि अनावेदक के जमीन का कुछ टुकड़ा और दो अन्य लोगो के जमीन पर 50-55 लाख रूपये की लागत से मकान बना है। जिसमें ओम शांति संस्था का कार्य चलता था। और दीवाली 2020-21 मे जब आवेदिकागण माउंट आबू मे थे, तब अनावेदक ने पूरे भवन पर स्वयं का कब्जा कर रखा है।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय वाक श्रवण संस्थान खोलने, बृजमोहन ने लिखा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र

रायपुर। पूर्व मंत्री एवं विधायक बृजमोहन अग्रवाल बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्रीय स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ में अखिल भारतीय वाक श्रवण संस्थान की स्थापना करके का आग्रह किया हैं। अपने पत्र में बृजमोहन ने कहा कि छत्तीसगढ़, देश की सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में से एक है। यहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं व्यापार के उद्देश्य से प्रदेश के सीमावर्ती राज्यों यथा विदर्भ महाराष्ट्र, तेलंगाना, उडिसा, आंध्रप्रदेश, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड से हजारों लोगों का आवागमन निरंतर होता रहता है। आज भी राज्य की 75 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करतें है। एक बड़ी आबादी को शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए जूझना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मूक, बाधिर बच्चों के पुनर्वास एवं सामान्य बच्चों के साथ पढ़ाई लिखाई कर पाने योग्य क्षमता सम्पन्न बनाने हेतु छत्तीसगढ़ में अखिल भारतीय वाक श्रवण संस्थान की स्थापना अति आवश्यकता है। इस संस्थान की स्थापना से ईलाज के साथ साथ डिग्री कोर्स भी संचालित किया जा सकेगा।

मन की बात की 100वीं कड़ी का प्रसारण राजभवन में

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के रेडियो कार्यक्रम ''मन की बात'' की 100वीं कड़ी का प्रसारण पूरे देश के राजभवनों में विशेष रूप से किया जायेगा। छत्तीसगढ़ राजभवन में भी राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जाएगा। राज्यपाल के सचिव श्री अमृत खलखो ने इसकी विस्तृत रूपरेखा तैयार करने एवं समन्वय के संबंध में आज यहां राजभवन में बैठक ली। बैठक में राज्यपाल के निज सचिव श्री बी. एस. बेहरा, उपसचिव श्री दीपक अग्रवाल, पत्र सूचना कार्यालय के उप संचालक श्री सुनील तिवारी, दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के केंद्र निदेशक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि इस संबंध में राज्यस्तरीय समिति का गठन किया जाना है। इसके अलावा राजभवन में ''मन की बात'' के प्रसारण के लिए व्यापक व्यवस्था के संबंध में भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में क्षेत्र प्रचार निदेशालय भारत सरकार द्वारा ''मन की बात'' के गत कार्यक्रमों के संबंध में एक विशेष फेटो प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

भेंट-मुलाकात :121 करोड़ रूपए से अधिक की सौगात

सौंदर्यीकरण, जन सुविधाओं एवं निर्माण से संबंधित अनेक कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों को 121 करोड़ 53 लाख रूपए के विकास कार्यो की सौगात दी। इनमें 118 करोड़ 14 लाख रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और तीन करोड़ 39 लाख रुपए के कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आज जोन क्र.-01 के अंतर्गत 1 करोड़ 28 लाख रुपए, जोन क्र.-07 के अंतर्गत 99 लाख रुपए, जोन क्र.-05 के अंतर्गत 62 लाख रुपए तथा कोलता समाज छात्रावास हेतु 50 लाख रुपए सहित कुल 3 करोड़ 39 लाख रुपए के कार्यो का भूमिपूजन किया। भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान श्री बघेल ने 55 लाख रूपए की लागत से शीतला तालाब, रामनगर के सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास कार्य, 28 लाख रूपए की लागत से कोटा कॉलोनी उद्यान के सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास कार्य, 97 लाख रूपए की लागत से कोटा-गुढियारी मुख्य मार्ग में नाला निर्माण कार्य, 6 करोड़

58 लाख रूपए की लागत से कारी तालाब, आमापारा के सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास कार्य, 19 लाख रूपए की लागत से शीतला तालाब कोटा के सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास कार्य, 50 लाख रूपए की लागत से अनुष्का उद्यान, सेक्टर-01, रायपुरा के सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास कार्य, 29 लाख रूपए की लागत से हीरापुर उद्यान के सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास कार्य, 28 लाख रूपए की लागत से डूमर तालाब उद्यान आमानाका के सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास कार्य, 1 करोड़ 23 लाख रूपए की लागत से अग्रसेन चौक, समता कॉलोनी में सी-मार्ट निर्माण कार्य, 67 करोड़ 28 लाख रूपए की लागत से अमृत मिशन योजना के अंतर्गत चंदनीडीह में 75 एम.एल.डी. क्षमता का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, 3 करोड़ 78 लाख रूपए की लागत से अमृत मिशन योजना के अंतर्गत रायपुरा उच्च स्तरीय जलागार के कमाण्ड एरिया अंतर्गत मेन राईजिंग लाईन, डिस्ट्रीब्यूशन लाईन एवं घरेलू नल कनेक्शन कार्य, 5 करोड़ 51 लाख रूपए की लागत से अमृत मिशन योजना के अंतर्गत कुकुरबेड़ा में 1000 किलो लीटर क्षमता का उच्चस्तरीय जलागार एवं मेन राईजिंग लाईन, डिस्ट्रीब्यूशन लाईन तथा घरेलू नल कनेक्शन कार्य, 8 करोड़ 50 लाख रूपये की लागत से मिशन योजना के अंतर्गत डंगनिया उच्चस्तरीय जलागार के कमाण्ड एरिया अंतर्गत डंगनिया, रोहणीपुरम एवं अन्य क्षेत्र में डिस्ट्रीब्यूशन लाईन तथा घरेलू नल कनेक्शन कार्य, 4 करोड़ 95 लाख रूपये की लागत से हीरापुर, जरवॉय में 65 टी.पी.डी.सी. एण्ड डी यूनिट का कार्य, 7 करोड़ 87 लाख रूपए की लागत से जोन क्रं. 01 के अंतर्गत विभिन्न कार्य, 43 लाख रूपए की लागत से जोन क्रं. 07 के अंतर्गत विभिन्न कार्य, 7 करोड़ 40 लाख रूपए की लागत से जोन क्रं. 08 के अंतर्गत विभिन्न कार्य, 1 करोड़ 34 लाख रूपए की लागत से जोन क्रं. 05 के अंतर्गत विभिन्न कार्य और 21 लाख रूपए की लागत से जोन क्रं. 02 के अंतर्गत विभिन्न कार्यों का लोकार्पण किया।

मूणत ने किया भेंट मुलाकात को लेकर प्रदर्शन, परेशान करने का लगाया आरोप

पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भेंट मुलाकात कार्यक्रम हुआ। इससे पहले बीजेपी नेताओं ने जमकर हंगामा किया। पूर्व मंत्री राजेश मूणत अपने समर्थकों के साथ कार्यक्रम स्थल की ओर जाने लगे। इस दौरान रास्ते में उन्हें पुलिस ने पहाड़ी चौक पर रोक दिया। पुलिस के रोकने पर कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। बाद में राजेश मूणत पहाड़ी चौक पर ही अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। राजेश मूणत का आरोप है कि आज अपने कामों को जनता के बीच ले जाने के लिए, भेंट मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पहुंच रहे हैं। लेकिन भाजपा के कार्यकर्ताओं को वहां जाने नहीं दिया जा रहा है। उन्हें रोक दिया जा रहा है।भाजपा कार्यकर्ताओं को थाने में बैठाया गया है। शासन प्रशासन हमारे जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ताओं को घर से उठा रहे हैं। भेंट मुलाकात में यदि आप आ रहे हैं, तो घबरा क्यों रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने घोषणा की है कि, हम विरोध नहीं करेंगे। फिर भी मेरे पार्षदों और कार्यकर्ताओं को घर से उठाकर थाना और चौकी में बैठा रहे हैं। गाड़ियों में लेकर घूम रहे हैं।राजेश मूणत के मुताबिक बीजेपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठे प्रकरण दर्ज करवाने की मंशा है । यहां तक की कोई, काला कपड़ा, कला दुपट्टा नहीं पहन सकता है, महिलाएं जो काले ब्लाउज पहन कर आई थी। तो उन महिलाओं को रोक दिया गया। 2 दिनों से भाजपा कार्यकर्ताओं की दुकानें बंद कराकर रखी गई है। जब हम कुछ विरोध ही नहीं करना चाह रहे हैं तो, आप लोग माहौल क्यों बिगड़ना चाहते हैं।राजेश मूणत ने कहा कि, जब तक हमारे कार्यकर्ताओं को नहीं छोड़ा जाएगा। हम ऐसे ही धरने पर बैठे रहेंगे।

प्रदेश के कथित विकास को मुख्यमंत्री स्वयं ढूंढने निकले हैं-कौशिक

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि कांग्रेस प्रदेश के विकास में पूरी तरह से बाधक साबित हुई है। उन्होनें कहा कि मूलभूत सुविधा पाना जनता का हक है मगर कांग्रेस के शासनकाल में छत्तीसगढ़ की सभी जनता मूलभूत सुविधाओं के लिये भी तरस रही है अब तो प्रदेश के कथित विकास को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल स्वयं ढुंढ रहे है।

श्री कौशिक ने कहा कि कांग्रेस के पास जब कार्य करने का समय था तब तो कुछ किया नहीं अब चुनावी वर्ष पर जनता के दिखाने के लिये विधानसभा दौरा कर रहे हैं। उन्होनें कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में आज कोई वर्ग खुश नहीं है आज प्रदेश का हर वर्ग युवा, महिला एवं किसान परेशान है। उन्होनें कहा कि गांवों में सड़क नहीं होने से ग्रामीण आज भी मरीजों को खाट पर ढोने विवश है, पूरे प्रदेश को खोदापुर में तब्दील करने वाली इस भ्रष्ट भूपेश सरकार से आम जनता पूरी तरह परेशान हो चुकी है।

श्री कौशिक ने कहा कि पूरे प्रदेश की सड़के सड़क पर आ गई है और प्रदेश की सरकार उन्हें बनाने की स्थिति में नहीं है। सभी जगह अखबारों में लगातार खबरें आ रहीं है कहीं किसी गर्भवती महिला को खाट पर अस्पताल ले जाया जाता है तो कहीं किसी बीमार व्यक्ति की एंबुलेंस नहीं पहुंच पाने से मौके पर मौत हो जाती है उन्होनें कहा कि आज पूरा प्रदेश पानी की समस्या से जुझ रहा है. यही छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के ग्राम सुपेबेड़ा में साफ पानी न मिलने के वजह से लगातार मौतें हो रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश में विकास के नाम पर अब तक एक ईट तक नहीं रखी है। प्रदेश कि जनता ने कांग्रेस को विदा करने का अपना मन बना लिया है।

मुख्यमंत्री ने किया शहर के दूसरे मिलेट कैफ़े का शुभारंभ

नालंदा परिसर में आज मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शहर के पहले मिलेट कैफ़े का शुभारंभ किया। अब नालंदा परिसर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आने वाले विद्यार्थी सहित रायपुर शहरवासियों को भी रागी, कोदो-कुटकी, ज्वार, संवा जैसे मिलेट्स से बने व्यंजनों का स्वाद मिल सकेगा। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में आज शहरवासियों से भेंट मुलाक़ात करने के दौरान मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस कैफ़े की शुरुआत की।

राजधानी रायपुर के दूसरे मिलेट कैफ़े का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि अब नालंदा परिसर में पढ़ने आने वाले छात्र- छात्राओं को पोषक मिलेट्स के आहार मिलेंगे। पोषण के लिहाज़ से भी यह कैफ़े विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इससे उनको अब जंक फूड नहीं खाने पड़ेंगे और पढ़ाई के साथ स्वस्थ रहने की चुनौतियों से विद्यार्थी आसानी से निपट सकेंगे। मुख्यमंत्री ने इस मिलेट कैफ़े को शुरू करने के लिए कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भूरे और नगर निगम के अधिकारियों की भी प्रशंसा की और सभापति श्री प्रमोद दुबे को भी मिलेट के पकवान खिलाए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री

श्री बघेल ने रागी से बना केक काटा और कुटकी से बना चीला, रागी ब्रेड का सैंडविच, रागी का वेजिटेबल कटलेट, कोदो की खीर , रागी का कप केक , रागी का हलवा और रागी की पाव भाजी का स्वाद भी लिया। मौक़े पर पश्चिम प्रभारी मंत्री श्री रविंद्र चौबे, क्षेत्र के विधायक और संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय, महापौर एजाज़ ढेबर, योग आयोग के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा, नगर निगम के सभापति श्री प्रमोद दुबे, एसएसपी श्री प्रशांत अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त श्री मयंक चतुर्वेदी सहित कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई पीढियों से रागी, कोदो जैसे अनाज हमारे आहार का प्रमुख हिस्सा हुआ करता था। किंतु आज इनका उपयोग सीमित हो गया है। ये अनाज सेहत के लिए जरूरी बहुत से पोषक तत्वों से युक्त होते हैं। इस कैफे से लोगों को इन अनाजों से तैयार व्यंजन के रूप में सेहतमंद विकल्प मिलेंगे। और इन सेहतमंद व्यंजनों की लोकप्रियता-उपयोग बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने देश में सबसे पहले मिलेट मिशन शुरू किया और अब उसे केंद्र की सरकार ने भी अपनाया है। रायगढ़, जगदलपुर सहित कई शहरों में अब मिलेट व्यंजनों के कैफ़े और होटल खुल रहे है। रायपुर में इस कैफे की शुरुआत जिला प्रशासन की पहल एवं नगर निगम के सहयोग से हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बड़े शहरों में खुले अधिकांश मिलेट कैफे महिला उद्यमी या महिला समूहों द्वारा चलाये जा रहे है । इससे महिला उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पहली बार महिला स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महिला समूहों के लिए मिलेट्स आधारित कैफे मील का पत्थर साबित हो रहे है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सहित केंद्र सरकार ने भी कई मौक़ो पर छतीसगढ़ के इस नवाचार की तारीफ़ की है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

मोदी अडानी की मित्रता को जनता तक पहुंचाने कांग्रेस ने की नुक्कड़ सभा

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा रायपुर शहर के अंतर्गत आने वाले सभी ब्लॉकों में जय भारत सत्याग्रह के तहत नुक्कड़ सभा का आयोजन किया जा रहा है इस नुक्कड़ सभा के माध्यम से केंद्र की भाजपा सरकार के द्वारा सरकारी संपत्तियों निजी हाथों में दिए जाने एवं मोदी अडानी के गठजोड़ को आम जनता तक पहुंचाया जा रहा है। नुक्कड़ सभा में उपस्थित निगम सभापति प्रमोद दुबे ने कहा कि हिडनबर्ग के रिपोर्ट के अनुसार विपक्ष लगातार केंद्र में बैठी भाजपा सरकार से यह मांग कर रहा है कि इस मुद्दे पर जांच होनी चाहिए,जेपीसी की मांग लगातार विपक्ष के द्वारा किया जा रहा है लेकिन केंद्र में बैठी भाजपा सरकार इस विषय पर मौन बैठी है। शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार केंद्र मे बैठी भाजपा सरकार से यह पूछ रहे हैं कि अडानी की सेल कंपनी में 20 हजार करोड़ किसका है उसका जवाब दें लेकिन सरकार के पास इसका कोई जवाब नहीं। शहर प्रवक्ता बंशी कन्नौजे ने यह जानकारी दी कि आज यह नुक्कड़ सभा गुरु घासीदास ब्लॉक के तेलीबांधा चौक एवं लेफ्टिनेंट अरविंद दीक्षित ब्लॉक के शास्त्री बाजार एवरग्रीन चौक गोल बाजार चौक में इस नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया।

अधूरे निर्माण कार्यों के ठेकेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी

कांकेर। कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने जिले के अंतर्गत अप्रारंभ एवं अपूर्ण निर्माण कार्यों के संबंधित ठेकेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किये हैं। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने जिले के सभी निर्माण कार्यों के लिए संबंधित ठेकेदारों को निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण नहीं करने के कारण 31 मार्च तक कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया था, किन्तु ठेकेदारों के द्वारा निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण एवं कार्य प्रारंभ नहीं करने पर संबंधित ठेकेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसी प्रकार अंतागढ़ विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम करेंगांव, ग्राम पोड़गांव और ग्राम जयता नवागांव में उप स्वास्थ्य केन्द्र में छः-छः बिस्तरीय अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य, ग्राम ताड़ोकी और दुर्गूकोंदल विकासखण्ड के ग्राम कोण्डे के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में छः-छः बिस्तरीय अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य के लिए मेसर्स आरती बिल्डर्स, डी-वर्ग कांकेर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कोयलीबेड़ा विकासखण्ड अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं ग्यारह उप स्वास्थ्य केन्द्रों में हेल्थ एवं वेलनेश सेंटर में मरम्मत सह जिर्णोद्धार कार्य के लिए ठेकेदार रजत चर्तुवेदी कांकेर और उप स्वास्थ्य केन्द्र सरण्डी में भवन निर्माण कार्य के लिए प्रतीक चोपड़ा डी-वर्ग संबलपुर तथा जल सेन्दरी बहार नाला में निर्मित डांगरा व्यपवर्तन योजना के तहत जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य के लिए ठेकेदार हरबंशसिंह भदौरिया बी-वर्ग कुकानार छिदगढ़ जिला सुकमा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

टीएस सिंहदेव ने ढाई ढाई साल के सीएम फॉर्मूले का फिर छेड़ा राग

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां बढ़ने लगी हैं। एक बार फिर, सूबे के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने अब तक सीएम न बन पाने का दर्द बयां किया है। बुधवार को मीडिया से बातचीत में टीएस सिंहदेव ने ढाई-ढाई साल के फॉर्मूले पर शुरू से लेकर अब तक की बात रखी। टीएस सिंहदेव ने कहा कि मीडिया में ढाई ढाई साल की बात चली। मेरे ऊपर भी लोगों का बहुत दबाव था। मैंने कुछ दिनों से इसे साझा भी किया। सैकड़ों फोन एक दिन में आते थे कि, बाबा कब बन रहे हैं। कब शपथ ले रहे हैं। फिर आने लगे कि क्या हो रहा है। मेरे लिए 100- 200 फोन पर डेली जवाब देना, मुश्किल काम था। वो एक अलग समय था। एक संभावना भी दिखती थी। चर्चाएं भी हो रही थी। हाईकमान ने भी बुलाया था। लगता था कि शायद कुछ हो। वो समय बीत गया। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा उत्तर प्रदेश का चुनाव आया। फिर ये समय आया कि उत्तर प्रदेश चुनाव के बाद कुछ होगा। पर उत्तर प्रदेश चुनाव को भी एक साल बीत गए। जहां तक मुझे याद है कि, 13 मार्च को उत्तर प्रदेश चुनाव परिणाम की घोषणा हुई थी। अब हम 19 अप्रैल में आ गए हैं। एक साल से ज्यादा समय बीत गया। अगर इसमें निर्णय नहीं हुआ, क्योंकि निर्णय तो हाईकमान को करना है। तो उन्होंने वो समय उचित नहीं समझा होगा अब तक।

छत्तीसगढ़ को चाहिए डबल इंजन की सरकार- साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनकी सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि

छत्तीसगढ़ को डबल इंजन की सरकार की जरूरत है। वर्ष 2018 तक जब तक डबल इंजन की सरकार यानी केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार रही, तब तक छत्तीसगढ़ का विकास हुआ और छत्तीसगढ़ की जनता को इसका लाभ मिला। लेकिन जब से भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार बनी है, तब से छत्तीसगढ़ का विकास रुक गया है और यह सरकार जनता और केंद्र सरकार के बीच बाधक बन कर छत्तीसगढ़ की जनता के हितों पर प्रहार कर रही है। सभी ने देखा है कि किस तरह 16 लाख गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास से वंचित होना पड़ा। चावल घोटाला करके गरीब का अन्न खा गए, किस तरह गरीब के घर नल नही लगने दिया जा रहा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने कहा कि जब झीरम कांड हुआ था, तब भूपेश बघेल प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष थे और कहते थे कि झीरम के सबूत उनकी जेब में हैं। साढ़े 4 साल हो गए। मुख्यमंत्री रहते उन्होंने यह सबूत अपनी जेब से नहीं निकाले। वे बताए झीरम के सबूत अपनी जेब से क्यों नहीं निकालते।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री, गृहमंत्री नक्सलवाद के मामले में स्पष्ट रूप से झूठ बोलते रहे हैं।

बढ़ती गर्मी को लेकर छत्तीसगढ़ में बदला स्कूलों का समय, ये है नया टाइम टेबल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार तापमान में इजाफा देखने को मिल रहा है। रायपुर का अधिकतम तापमान 43 डिग्री तक पहुंच गया है। ऐसे में प्रदेश सरकार ने बुधवार को इंटर तक के स्कूलों के समय में बदलाव का आदेश जारी किया है। इस आदेश को जारी कर छात्रों को राहत देने की कोशिश की गई है। स्कूल टाइमिंग में बदलाव का आदेश 20 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा। गर्मी में राहत नहीं मिलने पर इसे बढ़ाया भी जा सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में उत्तर पश्चिम से गर्म और शुष्क हवाएं लगातार आ रही हैं, ऐसे में आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में अभी और बढ़ोत्तरी होगी। एहतियात बरतते हुए प्रदेश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट कर इसकी जानकारी देते हुए लोगों से बच्चों का ख्याल रखने की अपील की है। छत्तीसगढ़ में बढ़ी गर्मी की तपिश, सारंगढ़ में तापमान पहुंचा 44 डिग्रीगुरुवार से नए टाइमटेबल के हिसाब से चलेंगे स्कूल- लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, एक पाली में चलने वाले स्कूल सोमवार से शनिवार सुबह 7 से 11 बजे तक चलेंगे। वहीं दो पालियों में चलने वाले स्कूलों में पहली पाली में प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक की कक्षाएं सुबह 7 से 11 बजे तक चलेंगी।

18 करोड़ बुजुर्गों का हक मार कर क्या हासिल करना चाह रही सरकार

रायपुर। जैन संवेदना ट्रस्ट ने सीनियर सिटीजन को कोरोना महामारी से पहले मिलने वाले रेल्वे कन्सेशन को पुन- चालू करने की मांग से संबंधित पत्र आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व रेल्वे मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव लिखा । जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने कहा कि 2023 के 2 . 40 लाख करोड़ रुपए के रेलवे बजट में बुजुर्गों के लिए 1500 करोड़ का रेल्वे कन्सेशन पुन- लागू न कर नरेन्द्र मोदी सरकार देश के 18 करोड़ सीनियर सिटीजन के साथ अन्याय कर रही है । जबकि सीनियर सिटीजन कन्सेशन से रेल्वे पर केवल 1500 करोड़ का अतिरिक्त भार पड़ता है ।

वैसे भी रेल्वे ने कोरोना के बाद रेल्वे को कोरोना के दौरान नुकसान हुआ बताकर सभी ट्रेनों को स्पेशल घोषित कर 20 से 25 प्रतिशत अतिरिक्त वसूली अभी तक जारी है व कम दूरी की टिकिटों में 250 रुपये की पेनाल्टी वसूली की जा रही है । अभी भी कई रेगुलर ट्रेनें सुपर फास्ट के नाम से चलाकर अधिक किराया की वसूली जारी है । कोचर व चोपड़ा ने कहा कि रेलवे की संसदीय समिति ने भी सीनियर सिटीजन को रेलवे टिकट में कन्सेशन दिए जाने की सिफारिश की है , अनेक सांसदों ने संसद सत्र में इस मुद्दे पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया है फिर भी बुजुर्गों को रेलवे कन्सेशन न दिया जाना अन्याय है । जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने आरोप लगाया कि रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 75000 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया है , और अपग्रेड रेलवे स्टेशनों को निजी क्षेत्र को सौपने का षडयंत्र तो नही है ।

कांग्रेस के मोर्चा, प्रकोष्ठों के अध्यक्षों की बैठक संपन्न

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, प्रभारी सहसचिव विजय जांगिड़, ने कांग्रेस के विभागो, मोर्चा, प्रकोष्ठो के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक लिया। बैठक में सभी विभागो, मोर्चा, प्रकोष्ठों, की कार्यकारणी गठन एवं कार्य प्रणाली तथा कार्य योजना की समीक्षा किया गया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि चुनाव नजदीक आ गये है सभी प्रकोष्ठों को संगठन और सरकार के कामों को जनता के बीच पहुंचाने के लिये अपने संगठन की कार्ययोजना बनाकर कार्य प्रारंभ कर देना चाहिये। दिये गये लक्ष्य को पूरा करने में कोताही नहीं होनी चाहिये।

प्रभारी सहसिचव विजय जांगिड़ ने कहा प्रकोष्ठों को एक क्षेत्र विशेष की जवाबदारी दी गयी है। आपको उस क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने के लिये काम करना है। सभी

यह सुनिश्चित करें कि आप का संगठन सरकार और पार्टी की योजनाओं को जनता के बीच ले जाना है।

बैठक में सांसद फूलोदेवी नेताम, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी महामंत्री प्रशासन रवि घोष, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, महामंत्री सुमित्रा धृतलहरे, महामंत्री अरूण सिसोदिया, सलाम रिजवी, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन अध्यक्ष दिनेश शर्मा, उपाध्यक्ष असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस रमना मूर्ति, कांग्रेस खेलकूद प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रवीण जैन, किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रामबिलास साहू, मछुआ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एम.आर. निषाद, ओबीसी विभाग प्रदेश अध्यक्ष चौलेश्वर चंद्राकर, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप षड़ंगी, उपाध्यक्ष सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रशांत नीरज ठाकर, प्रदेश कांग्रेस आईटी सेल उपाध्यक्ष मणि वैष्णव, आरटीआई प्रकोष्ठ अध्यक्ष नितिन सिन्हा, प्रदेश कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अरूण ताम्रकार, व्यापार प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष विक्रम व्यास, योगेन्द्र नारंग, विधि विभाग कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवा देवांगन, दिनेश निर्मलकर, कुवंर जितेन्द्र नरसिंह राणा उपस्थित थे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.